जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 113 प्रभात कोटा, गुरुवार 5 फरवरी, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

लोकसभाध्यक्ष दुविधापूर्ण विडंबना में फंसे

उन्होंने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को तो पुस्तक के अंश उद्धृत करने दिए पर राहुल गांधी को पूर्व सेनाध्यक्ष नरवाणे की पुस्तक के अंश पढ़ने की इजाज़त नहीं दी

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- लोकसभाध्यक्ष की इस ''विवादपूर्ण'' व्यवस्था के कारण, कांग्रेस ने भारी हंगामा किया और प्र.मंत्री को धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का उत्तर नहीं देने दिया।
- राहुल गांधी ने भाजपा सदस्यों की आपत्ति, कि पूर्व सेनाध्यक्ष नरवाणे की किताब अभी प्रकाशित हुई नहीं हुई उस अप्रकाशित पुस्तक के अंश कैसे लोकसभा में पढ़े जा सकते हैं, के जवाब में कहा, वे प्रकाशित पुस्तक की प्रति साथ लाए हैं, तथा उसकी प्रति प्रधानमंत्री को भेंट करेंगे, जब प्र.मंत्री सदन में आएंगे।
- इस विवादित प्रकरण का अन्य पहलू यह भी है कि वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह व गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में दावा किया था कि पूर्व सेनाध्यक्ष की पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई है, पर, राहुल गांधी ने कहा कि वे पुस्तक की प्रतिलिपि सदन में लाए हैं।
- तो क्या कांग्रेस, वरिष्ठ मंत्रीगणों के खिलाफ मिथ्यावचन का आरोप लगाते हुए विशेषाधिकार हनन का मामला बनाएगी।

नई दिल्ली, 4 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब नहीं दे सके क्योंकि लोकसभा में विपक्ष ने भारी हंगामा किया। राहुल गांधी को लद्दाख में चीन के हमले पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की किताब के बारे में बोलने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके बाद यह हंगामा हुआ।

ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री कल लोकसभा में भी भाषण नहीं देंगे और संभव है कि वह राज्यसभा में जवाब दें, जहां राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है।

हालांकि सूत्रों का कहना है कि सरकार आखिरी कोशिश कर रही है कि गतिरोध खत्म हो और विपक्ष से बातचीत शुरू हो सके। इसके लिए भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ बोले गए सभी आपत्तिजनक शब्द हटाए जा सकते हैं। वह किताबों से उद्धरण दे रहे थे और स्पीकर ने उन्हें रोकने की कोई कोशिश नहीं की।

विपक्ष ने पूछा कि, क्या लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के साथ व्यवहार के अलग-अलग मानदंड अपना रखे हैं।

इसी के विरोध में कांग्रेस सांसद स्पीकर के कक्ष में पहुंच गए और उनसे कड़ा विरोध जताया। उन्होंने पूछा कि राहुल गांधी को पत्रिका के लेख से उद्धरण देने की अनुमति क्यों नहीं दी गई, जबकि निशिकांत दुबे को ऐसा करने दिया गया।

इस मुद्दे पर स्पीकर मुश्किल स्थिति में नज़र आ रहे हैं।

एक दिलचस्प घटनाक्रम में राहुल गांधी संसद में जनरल नरवणे की किताब की एक प्रति लेकर आए। उन्होंने मीडिया को वह किताब दिखाई और कहा कि जब प्रधानमंत्री सदन में आएंगे तो वह उन्हें इसकी एक प्रति देंगे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यकीन है कि नरेंद्र मोदी सदन में नहीं आएंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल और मंत्री बिट्टू के बीच झड़प

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 फरवरी। आज सुबह संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी बहस हो गई। दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रदर्शन के दौरान गांधी ने पूर्व कांग्रेस नेता को ''गद्दार दोस्त'' कहा। इसके जवाब में बिट्टू ने गांधी को ''देश का दुश्मन'' बताया।

बिट्टू तीन बार सांसद रह चुके हैं और रेलवे राज्य मंत्री हैं। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा जॉइन कर ली थी।

- राहुल गांधी जब कांग्रेस सांसदों के साथ संसद के मकर द्वार पर धरना दे रहे थे, तो वहां से गुज़र रहे मंत्री रवनीत बिट्टू, जो पहले कांग्रेस में थे, को उन्होंने ''गद्दार दोस्त'' कहा, बदले में बिट्टू ने उन्हें ''देश के दुश्मन'' करार दिया।

यह छोटी बहस उस समय हुई जब संसद के मकर द्वार के पास कांग्रेस सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। जब बिट्टू पास से गुजरे तो गांधी ने कहा, '' देखो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को अपना ''राजनीतिक मंच'' बनाया

न्यायालय ममता जी की इस रणनीति का ''बेबस'' मूकदर्शक बनकर रह गया और ममता जी को निर्बाध रूप से पन्द्रह मिनट तक मुख्य चुनाव आयुक्त को भला-बुरा कहने का पूरा मौका मिला

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इस दुःखद घटनाक्रम का दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह भी है कि पश्चिम बंगाल में फ़र्ज़ी मतदाता की रणनीति को तृणमूल कांग्रेस ने एक कला का रूप दे दिया है, निरंतर सुधार-संवार कर।
- 56 लाख से भी ज्यादा फ़र्ज़ी वोटर पाए गए थे, गत सूची पर गहराई से काम करने से। इसके अलावा गत सूची में बहुत से नाम उन व्यक्तियों के हैं, जो मृत हो चुके हैं तथा नियमित रूप से बांग्लादेश से, सीमा पार से, गैर कानूनी घुसपैठिए आकर चुनावों में मतदान करते रहे हैं।
- एसआईआर (वोटर सूची का शुद्धिकरण) 4 नवंबर 2025 को आरंभ हुआ था। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में परिवर्तन की अंतिम तारीख 19 जनवरी थी और फाइनल सूची 14 फरवरी को प्रकाशित होनी है।

नई दिल्ली, 4 फरवरी। ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख, ने भारत के मुख्य न्यायाधीश और दो अन्य जजों के सामने चल रही कानूनी सुनवाई को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यालय के खिलाफ एक राजनीतिक भाषण में बदल दिया और इसमें बड़ी जीत हासिल की।

ममता बनर्जी ने बेहतरीन तरीके से राजनीतिक चाल चली और कोर्ट की कार्यवाही को बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के खिलाफ अपनी राजनीतिक लड़ाई में बदल दिया। बनर्जी ने राज्य में अपने समर्थकों से वादा किया था कि वह बंगाल में मतदाता सूची का संशोधन बिल्कुल नहीं होने देंगी।

अब जब मतदाता सूची का संशोधन (रोल रिविज़न) लगभग पूरा हो चुका था और प्रक्रिया समाप्त होने वाली थी, तब ममता को लगा कि उन्हें बड़ा झटका लगा है। पिछली मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भूमिगत ''चिकन नैक'' रेल्वे ट्रैक बिछाने का काम शुरु

चिकन नैक एक संकड़ा भू भाग है, जो देश के नॉर्थ ईस्ट भाग को शेष भारत से जोड़ता है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- 20-22 किलोमीटर चौड़ा, यह सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे ही चिकन नैक कहते हैं, सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और चीन की सीमा से मात्र 130 किलोमीटर दूर है।
- बांग्लादेश के चीन के करीब जाने व चीन की मदद से चिकन नैक हथियाने के दावों के मद्देनज़र भारतीय रेल्वे ने भूमिगत रेल्वे ट्रैक बिछाने का काम शुरु किया है, क्योंकि किसी भी संकट की स्थिति में भी अंडरग्राउण्ड ट्रैक बाधित नहीं होगा।

नई दिल्ली, 4 फरवरी 'चिकन नेक' की सुरक्षा से जुड़े 'शीर्ष प्राथमिकता' वाले प्रोजेक्ट के तहत 40 किलोमीटर लंबे भूमिगत रेल कॉरिडोर के निर्माण का काम जल्द ही तेज़ी से शुरू किया जाएगा, यह दावा नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) के अधिकारियों ने किया है।

बांग्लादेश, नेपाल और भूटान से घिरे तथा सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर-जिसे 'चिकन नेक' भी कहा जाता है-के माध्यम से ही पूर्वोत्तर राज्यों का शेष भारत से ज़मीनी संपर्क संभव है। भारत की सबसे कमजोर कड़ी कहे जाने वाले इस संकरे भू-भाग की चौड़ाई लगभग 20-22 किलोमीटर है और यह चीन की चुम्बी घाटी से मात्र 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

हाल के महीनों में बांग्लादेश के चीन के करीब जाने के बाद 'चिकन नेक' को लेकर कूटनीतिक तनाव बढ़ा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी समूहों ने भारत के पूर्वोत्तर भाग को अलग-थलग करने के उद्देश्य से चिकन नेक को जाम करने की खुली अपील की है, साथ ही कुछ उग्रवादी संगठनों ने इस कॉरिडोर को ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की अपनी परिकल्पना का हिस्सा बताया है।

इस खंड में भूमिगत रेल लाइन बनाकर भारत संभावित सुरक्षा खतरों से निपटना और सीमावर्ती क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मज़बूत करना चाहता है। एनएफआर के महाप्रबंधक चेतन श्रीवास्तव ने कहा कि यह रेल खंड पश्चिम बंगाल में टिन माइल हाट से रंगापानी स्टेशन तक चलेगा।

2017 में चीन के साथ डोकलाम गतिरोध के दौरान सैन्य योजनाकारों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बोत्सवाना से 8 चीते 28 को मध्यप्रदेश आयेंगे

भोपाल, 04 फरवरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से भेंट कर असम से जंगली भैंसा मध्यप्रदेश लाने की प्रक्रिया सहित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की।

- असम से जंगली भैंसे भी मध्यप्रदेश लाने की तैयारी चल रही है।

उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को बोत्सवाना से 8 चीते मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। चीतों के पुनर्स्थापन को लेकर केंद्रीय मंत्री यादव से आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सहयोग पर भी विस्तार से चर्चा हुई है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास, रिजर्व फॉरेस्ट के विस्तार और वन्य जीव संरक्षण की असीम संभावनाएं हैं। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल चुनावों पर देर रात भाजपा की बैठक

मंगलवार देर रात केन्द्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के घर हुई इस मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन भी मौजूद थे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- बैठक का फोकस मुख्य रूप से एसआईआर के संबंध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की रणनीति का जवाब देने पर रहा, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर ममता बनर्जी ने बेहद आक्रामक रूख अपना रखा है।
- मीटिंग में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद शामिल हुए तथा पार्टी अध्यक्ष नबीन ने हरेक सांसद के साथ अलग-अलग मुलाकात कर फीडबैक लिया।
- सांसदों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में केन्द्रीय बजट को ''यंग इंडिया'' बजट के रूप में प्रचारित करें। इसके अलावा राज्य सरकार की विफलताओं पर आक्रामक रूख अपनाने और आंदोलन करने का निर्देश दिया गया, साथ ही कहा गया कि चुनाव होने तक आंदोलन जारी रहने चाहिए।

नई दिल्ली, 4 फरवरी। आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले मंगलवार देर रात पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर एक अहम बैठक दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री और भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार के आवास पर हुई।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी मौजूद रहे। पश्चिम बंगाल से भाजपा के लोकसभा और राज्यसभा सांसद और पार्टी के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह-प्रभारी बिप्लब देब भी चर्चा में शामिल हुए।

यह बैठक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए आगे की रणनीति तय करने के उद्देश्य से बुलाई गई थी। इसमें संगठनात्मक मजबूती, बूथ-स्तरीय योजना और समग्र चुनावी रोडमैप पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक का प्रमुख फोकस पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर मुद्दे से निपटने की रणनीति पर था। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब ममता बनर्जी दिल्ली में मौजूद हैं और उन्होंने मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अपने हमले तेज कर दिए हैं, जिससे इसका महत्व और बढ़ गया।

करीब तीन घंटे चली इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने की। सभी सांसदों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर बजट 2026 के प्रमुख प्रावधानों को जनता के बीच स्पष्ट रूप से रखें। युवाओं तक पहुंच बनाने पर विशेष ज़ोर दिया गया और बजट 2026 को यंग इंडिया का बजट के रूप में प्रस्तुत करने की रणनीति बनाई गई है।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए एक बड़ा और दीर्घकालिक प्लान तैयार किया है। इसी योजना के तहत नितिन नबीन ने सांसदों के साथ एक-एक कर व्यक्तिगत बैठकें कीं और उनसे सीधे फीडबैक लिया।

सांसदों को जमीनी स्तर पर राज्य सरकार की विफलताओं को आक्रामक तरीके से उजागर करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, स्थानीय मुद्दों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ ज़ोन-वार आंदोलन शुरू करने को कहा गया है। रणनीति यह है कि इन आंदोलनों को विधानसभा चुनाव तक लगातार सक्रिय रखा जाए।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल चुनावों तक सांसदों से नियमित फीडबैक लिया जाता रहेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-पीजी की कट-ऑफ पर नोटिस जारी किये

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने नीट-पीजी 2025-26 की परीक्षा के लिए कट-ऑफ पर्सेन्टाइल कम करने के राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड के निर्णय को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर बुधवार को नोटिस जारी किया।

- राष्ट्रीय चिकित्सा परीक्षा बोर्ड ने 13 जनवरी को कट-ऑफ पर्सेन्टाइल असामान्य रूप से कम कर दिया था।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने इस चुनौती पर गौर किया और निर्देश दिया कि मामले को छह फरवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

याचिका में परीक्षा बोर्ड की 13 जनवरी की उस अधिसूचना पर सवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपना केस खुद लड़ा ममता बनर्जी ने

एक प्रशिक्षित एडवोकेट ममता बनर्जी पहली ऐसी मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपने मुकदमे की पैरवी की है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में एप्लीकेशन दायर कर इसकी अनुमति मांगी थी। ज्ञातव्य है कि ममता बनर्जी ने कहा था कि वे खुद एक वकील हैं और एसआईआर पर अपना केस खुद लड़ेंगी।
- ममता बनर्जी लम्बे समय से एसआईआर का विरोध कर रही हैं, उन्होंने कहा कि चुनाव, 2025 की मतदाता सूची पर ही होने चाहिए।
- ममता बनर्जी ने एसआईआर में भारी विसंगतियों का आरोप लगाया और कहा कि कई महिलाओं के नाम इसलिए हटा दिए क्योंकि उन्होंने विवाह के बाद भारतीय परम्परा के तहत पति का सरनेम लगाना शुरु कर दिया था।
- सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की बैंच ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि एसआईआर के संबंध में गणमान्य व्यक्तियों को नोटिस भेजते समय सावधानी बरते। ज्ञातव्य है कि चुनाव आयोग ने पूर्व नौसेना एडमिरल अरूण प्रकाश, नोबल विजेता अमर्त्य सेन व क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी नोटिस भेजे हैं।

नई दिल्ली, 4 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में अपने मामले की पैरवी स्वयं की। उन्होंने राज्य में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रीविज़न (एसआईआर) के खिलाफ दायर अपनी याचिका के समर्थन में दलीलें दीं।

ममता बनर्जी एक प्रशिक्षित अधिवक्ता है और वे पहली ऐसी मुख्यमंत्री बन गई हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपने मामले पर खुद बहस की। इसके लिए उन्होंने अदालत में एक अंतरिम आवेदन दायर कर अनुमति मांगी थी।

ममता लंबे समय से राज्य में एसआईआर अभियान का विरोध करती रही हैं और चाहती हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की मतदाता सूची के आधार पर कराए जाएं।

उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि असम में, जो एक भाजपा-शासित राज्य है, एसआईआर प्रक्रिया क्यों नहीं कराई गई।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर 4 नवंबर 2025 को शुरू हुई थी और मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित हुई। दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 19 जनवरी थी। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी को प्रकाशित होने की उम्मीद है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की प्रगति को देखते हुए समय सीमा बढ़ाई जा सकती है।

उनके वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने एसआईआर प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अनमैप्ड मतदाताओं का हवाला दिया और कहा कि सुधारात्मक कदम उठाने के लिए बहुत कम समय बचा है।

बार एण्ड बैंच ने दीवान के हवाले से कहा, अनमैप्ड मतदाता 32 लाख हैं। तार्किक विसंगति सूची में 1.36 करोड़ नाम हैं और 63 लाख मामलों की सुनवाई लंबित है।''

सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने दो याचिकाओं में नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार ने सुनेत्रा से मुलाकात की

बारामती (महाराष्ट्र), 04 फरवरी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को परिवार के मुखिया के रूप में नरम रुख दिखाया। एनसीपी के दोनों गुटों के विलय के सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई भी फैसला लेने से पहले अभी एक-दूसरे का साथ देना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। कुछ दिन पहले उन्होंने रास्ता बंद (रोड ब्लॉक) वाला बयान दिया था।

- इससे पहले उन्होंने अजित पवार के बेटों के साथ बंद कमरे में मीटिंग की थी।

शरद पवार ने दिवंगत अजित पवार के बेटों से बंद कमरे में मुलाकात की। इसके बाद वह बारामती में सुनेत्रा पवार के घर गए तथा अजित पवार को श्रद्धांजलि दी।

वरिष्ठ नेता शरद पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान पर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

अपनी नम्रता का गर्व करने से अधिक निंदनीय और कुछ नहीं है। –मारकस

जनमानस में रियासती उपाधियों की पुनर्स्थापना: अतिरंजित और अंतर्विरोधों से भरा विमर्श

जनमानस में रियासती उपाधियों की पुनर्स्थापना – यह शीर्षक अपने आप में ही विरोधाभासों से भरा हुआ है। आखिर इस कथित प्रयास के पीछे कौन है? निश्चय ही कोई लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार तो नहीं। और यह भी विचित्र है कि 'जनमानस' को इतना भोला और मूर्ख क्यों दिखाया जा रहा है? आज़ादी के सात दशक बाद क्या सचमुच यह मान लिया जाए कि जनता को इतनी आसानी से बहकाया या ब्रेनवॉश किया जा सकता है कि वह पुराने राजसी प्रतीकों को स्वीकार कर ले, जबकि लोकतांत्रिक मूल्य समाज के हर वर्ग में गहराई से जड़ें जमा चुके हैं? क्या जनता को इतना भी श्रेय नहीं दिया जाना चाहिए कि वह स्वयं समझदार है, बजाय इसके कि उसे बिना विवेक और स्वतंत्र चिंतन वाले बच्चों की तरह पेश किया जाए?

लेखक अपने लेख की शुरुआत संविधान का हवाला देकर करते हैं समानता, समान अधिकार और यह सिद्धांत कि कोई भी किसी से ऊपर नहीं है। ठीक है, यह बात स्वीकार्य और निर्विवाद है। लेकिन इसके बाद वे चतुराई से प्रजामंडल आंदोलन को सामने ले आते हैं और उसे जनसाधारण द्वारा लड़ा गया एक दीर्घ संघर्ष बताने लगते हैं। यहीं समस्या शुरू होती है। इतिहास की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति जानता है कि प्रजामंडल आंदोलन कुछ गिने-चुने अभिजात, संपन्न और उच्चवर्णीय सवर्णों द्वारा संचालित था, जो स्वयं मौजूदा सत्ता में भागिदार थे एवं अब उस सत्ता पर पूर्णतः काबिज होना चाह रहे थे। यह आंदोलन मुख्यतः कुछ शहरी केंद्रों तक सीमित रहा और इसमें व्यापक जनभागीदारी लगभग नहीं के बराबर थी।

इस तरह प्रजामंडल आंदोलन का उल्लेख करके लेखक राजस्थान की आबादी के एक विशेष वर्ग को निरंकुश और दमनकारी सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। मेरे विचार में यह एक कमजोर तर्क है, जो प्राथमिक ऐतिहासिक जांच भी नहीं झेल सकता।

लेखक पूर्वशाही परिवारों के लिए हिज हाईनेस जैसी उपाधियों के प्रयोग पर आपत्ति जताते हैं और तर्क देते हैं कि ऐसी संबोधन शैली मूलतः अपमानजनक है और बोलने वाले को संबोधित व्यक्ति से हीन दर्शाती है। लेकिन यह दावा एक समस्याग्रस्त मान्यता पर आधारित है–कि इन उपाधियों का प्रयोग थोपा गया है। वास्तव में किसी को इन्हें इस्तेमाल करने के लिए बाध्य करने वाली कोई दमनकारी व्यवस्था मौजूद ही नहीं है; इनका प्रयोग अनिवार्यता नहीं, बल्कि एक स्वैच्छिक चयन है।

राजसी उपाधियों का निरंतर प्रयोग राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिघटना के रूप में बेहतर समझा जा सकता है। अनेक लोगों के लिए ये उपाधियाँ वंश, स्मृति और ऐतिहासिक निरंतरता के प्रतीक हैं, जो स्थानीय इतिहास और सामूहिक पहचान में रची-बसी हैं। इन्हें दासता भाव से नहीं, बल्कि उस विरासत की पहचान के रूप में प्रयोग किया जाता है, जिसे आधुनिक सामाजिक-राजनीतिक अभिजात वर्ग की अस्थायी सत्ता की तुलना में अधिक स्थिर माना जाता है।

एयर इंडिया के लोगो में महाराजा जैसे सांस्कृतिक प्रतीक इस बात को और स्पष्ट करते हैं। यह छवि किसी दासवत् दण्डवत होने का प्रतीक नहीं, बल्कि राजत्व की उस परंपरागत धारणा से जुड़ी है जिसमें संरक्षण, संरक्षणदाता-भाव और शासक तथा प्रजा के बीच पारस्परिक दायित्व पर बल दिया जाता था। लोकप्रिय कल्पना में इसका टिके रहना सामाजिक-राजनीतिक ऊंच-नीच का समर्थन नहीं अपितु सांस्कृतिक स्मृति की निरंतरता को दर्शाता है।

इसलिए पारंपरिक उपाधियों के प्रयोग को झूठी चेतना या आंतरिक दासता का प्रमाण नहीं समझना चाहिए। इसके बजाय यह अतीत से निरंतरता बनाए रखने का स्वैच्छिक प्रयास है, जिसके माध्यम से लोग आधुनिक राजनीतिक सत्ता की नैतिक और सांस्कृतिक उथलापन से असंतोष भी व्यक्त करते हैं।

राष्ट्रदूत के 20 जनवरी 2026 के अंक में प्रकाशित राजेन्द्र बोडा, अतिथि संपादक के संपादकीय पर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जो अतिथि संपादक के रूप में प्रकाशित की जा रही है।

यह दृष्टिकोण सामंतवाद का महिमामंडन करने या उसकी असमानताओं को अनदेखा करने का आग्रह नहीं करता, बल्कि यह कहता है कि सामंत संस्थाओं को उनके ऐतिहासिक संदर्भ में समझा जाए

यह भी समझना आवश्यक है कि सामंत प्रतीक केवल पूर्वशाही परिवारों की उपाधियों तक सीमित नहीं हैं। वे राजस्थान की ऐतिहासिक पहचान और वैश्विक प्रस्तुति को आकार देने वाली भौतिक, सांस्कृतिक और संस्थागत विरासतों के व्यापक दायरे में फैले हुए हैं। उदाहरण के लिए राजस्थान के छह पहाड़ी किले, जो यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं, केवल स्थापत्य अवशेष नहीं, बल्कि पूर्व-आधुनिक राजनीतिक संगठन, सैन्य रणनीति और सांस्कृतिक संरक्षण के स्थायी प्रतीक हैं।

इसी प्रकार जयपुर शहर, जिसे यूनेस्को ने प्रारंभिक आधुनिक शहरी नियोजन का उत्कृष्ट उदाहरण माना है, प्रत्यक्ष रूप से राजकीय पहल और शासकीय स्थापत्य दृष्टि से उत्पन्न हुआ। इसकी योजनाबद्ध ग्रिड संरचना, नागरिक स्थल और खगोलीय-प्रशासनिक सिद्धांतों का समन्वय इस धारणा को चुनौती देता है कि रियासती राज्य स्वभावतः जड़ और पिछड़े थे।

भाषायी और साहित्यिक परंपराएँ भी सामंतवाद की आलोचना को जटिल बनाती हैं। राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियाँ दरबारी और प्रशासनिक संदर्भों में विकसित और मानकीकृत हुईं। डिंगल और पिंगल साहित्य, जिसे आधुनिक इतिहासलेखन में अक्सर उपेक्षित किया जाता है, वह राजकीय संरक्षण से समृद्ध हुआ और उत्तर भारतीय साहित्यिक परंपरा में योगदान दिया। इसी प्रकार राजस्थानी चित्रकला की प्रसिद्ध परंपराएँ भी अभिजात और राजकीय संरक्षण की देन हैं, जिन्हें आज विश्वभर के संग्रहालयों और अकादमिक जगत में सराहा जाता है।

यहाँ एक वैचारिक विरोधाभास उभरता है। जब राज्य और राष्ट्र स्वयं इन सांस्कृतिक प्रतीकों को धरोहर पर्यटन, राष्ट्रीय ब्रांडिंग और सॉफ्ट पावर के लिए उपयोग करते हैं, तब उन्हीं प्रतीकों को संरक्षित करने वाले सामंत वर्ग को नैतिक रूप से खारिज करना विश्लेषणात्मक रूप से असंगत प्रतीत होता है। यह दृष्टिकोण सामंतवाद का महिमामंडन करने या उसकी असमानताओं को अनदेखा करने का आग्रह नहीं करता, बल्कि यह कहता है कि सामंत संस्थाओं को उनके ऐतिहासिक संदर्भ में समझा जाए और उनकी सांस्कृतिक उपलब्धियों का मूल्यांकन उनकी सीमाओं के साथ किया जाए, न कि आधुनिक मापदंड से उन्हें एकरेखीय रूप से खारिज किया जाए।

लेखक लोकप्रिय संस्कृति में राजसी ठाठ-बाट के चित्रण से असहज महसूस करते हैं, लेकिन यह स्वीकार नहीं करते कि ऐसी प्रस्तुतियाँ आधुनिक पूंजीवादी बाजार की उपज हैं, न कि सामंती स्मृति की। क्या बिकता है, यह बाजार तय करता है, न कि भूतपूर्व राजपरिवार । यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। विश्वभर में ऐतिहासिक और राजसी ड्रामा लोकप्रिय हैं– डाउनटन एबे से द क्राउन तक और गेम ऑफ थ्रोन्स से द ट्ययूडर्स तक। उनका आकर्षण सत्ता समर्थन नहीं, बल्कि दृश्यात्मक भव्यता और कथा-निर्माण में है। विश्व भर में जापान, यूनाइटेड किंगडम, स्पेन, नॉर्वे, स्वीडन जैसे प्रगतिशील देशों में संवैधानिक राजतंत्र हैं। जबकि भारत में राजकीय उपाधियाँ केवल सांस्कृतिक हैं, क्योंकि राजाओं ने स्वेच्छा बदलते राजनैतिक परिवेश को देख भारत में राजनैतिक विलय करके अपनी राजनैतिक व्यवस्था को लोकतांत्रिक व्यवस्था में परिवर्तित करने में सहयोग किया। किन्तु क्या आधुनिक जोधपुर में गजसिंघजी या आधुनिक जयपुर में ब्रिगेडियर भवानी सिंघजी के योगदान को नकारा जा सकता है ? यह चिंता कि दर्शक राजसी सौंदर्यशास्त्र से मोहित हो जाएंगे, दर्शकों को कमतर बुद्धिमान मानने की पितृसत्तात्मक धारणा पर आधारित है, मानो वे इतिहास, कल्पना और राजनीतिक समर्थन में फर्क नहीं कर सकते।

लेख का मूल स्वर एक विशिष्ट वर्ग के प्रति वैचारिक शत्रुता से प्रेरित लगता है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा किसी व्यक्ति को पूर्वशासक कहने जैसी सामान्य सांस्कृतिक औपचारिकता को लेखक ने लगभग संवैधानिक संकट जैसा बना दिया जो वास्तव में पिज़्ज़ा पर विवादित टॉपिंग जितना ही गंभीर मुद्दा था। अंततः यह लेख गंभीर वैचारिक व सांस्कृतिक आलोचना से अधिक वैचारिक अतिरेक का अभ्यास प्रतीत होता है, जहाँ ऐतिहासिक संदर्भों के सामान्य उल्लेख को सभ्यतागत पतन के संकेत के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कथित खतरे और वास्तविक घटना के बीच असंगति इतनी स्पष्ट है कि यदि लेख से गंभीरता का आवरण हटा दिया जाए, तो यह ज़ेनोफोबिया से उपजी एक हास्यास्पद अतिशयोक्ति भर है ।

– अतिथि संपादक
एल के सिंह,
(डॉक्टर और सामाजिक टिप्पणीकार)

परीक्षा की शुचिता बनाम कक्षा की गुणवत्ता: डिजिटल निगरानी का असंतुलन और प्रस्तावित समाधान

प्रो.अशोक कुमार

भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था आज एक अजीबोगरीब दौर से गुजर रही है। एक ओर हम डिजिटल इंडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बातें करते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारी पूरी प्रशासनिक मशीनरी आज भी इस बात पर केंद्रित है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में नकल न कर पाए। विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में सीसीटीवी कैमरों का जाल बिछाया गया है, फ्लाइंग स्क्वायड तैनात किए जाते हैं और आधुनिक तकनीकों का प्रयोग केवल दंडात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल परीक्षा की निगरानी कर लेने से शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो जाएगी?

सच तो यह है कि परीक्षा की शुचिता की चिंता तब की जाती है जब कक्षा की गुणवत्ता दम तोड़ चुकी होती है। यदि छात्र को साल भर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण नहीं मिला, तो वह परीक्षा में अनैतिक रास्तों की ओर मुड़ता ही है। यह लेख इस बात की वकालत करता है कि तकनीक का उपयोग केवल परीक्षा केंद्रों पर नहीं, बल्कि साल भर चलने वाली कक्षाओं में विकासात्मक रूप से किया जाना चाहिए।

दंडात्मक तकनीक बनाम विकासात्मक तकनीक

वर्तमान में हमारी शिक्षा व्यवस्था में तकनीक का उपयोग 'पुलिसिंग' जैसा है। हम छात्र को पकड़ने के लिए तकनीक पर भारी निवेश करते हैं, लेकिन उसे सिखाने के लिए नहीं। हम परीक्षा हॉल में उच्च क्षमता वाले कैमरे लगाते हैं, लेकिन उन्हीं कैमरों को कक्षा में लगाने से कतराते हैं जहाँ वास्तव में भविष्य गढ़ा जाता है।

यह उपचार पर ध्यान देने जैसी स्थिति है, जबकि आवश्यकता निवारण की है। यदि साल भर चलने वाली 1000 घंटों की कक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित हो जाए, तो परीक्षा के उन 3 घंटों में किसी सीसीटीवी की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। तकनीक का असली लाभ तब है जब वह शिक्षण पद्धति को पारदर्शी और जवाबदेह बनाए।

स्मार्ट क्लासरूम ऑडिट सिस्टम: एक क्रांतिकारी समाधान

शिक्षा में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए "स्मार्ट क्लासरूम ऑडिट सिस्टम" एक प्रभावी समाधान हो सकता है। इसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:–

1. लाइव लर्निंग डैशबोर्ड

केवल रिकॉर्डिंग के बजाय, कक्षाओं को एक लाइव डैशबोर्ड से जोड़ा जाना चाहिए। इससे विश्वविद्यालय प्रशासन या उच्च शिक्षा निदेशालय वास्तविक समय में यह देख सकेगा कि किस कॉलेज में कौन सी कक्षा संचालित हो रही है। यह केवल निगरानी नहीं, बल्कि एक शैक्षणिक इन्वेंट्री होगी जो बताएगी कि संसाधनों का कितना उपयोग हो रहा है।

2. संसाधनों का इष्टतम उपयोग और प्रशासनिक जिम्मेदारी

सरकारें करोड़ों रुपये खर्च करके कॉलेजों में स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और लैब स्थापित करती हैं। अक्सर देखा गया है कि ये संसाधन धूल फांकते रहते हैं या केवल निरीक्षण के दिन ही बाहर निकलते हैं। डिजिटल ऑडिट के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सरकारी धन का उपयोग वास्तव में छात्रों के हित में हो रहा है।

3. शैक्षणिक जवाबदेही और उपस्थिति

अक्सर दूर-दराज के क्षेत्रों में शिक्षकों की अनुपस्थिति एक बड़ी समस्या है। डिजिटल निगरानी शिक्षकों को उनकी उपस्थिति और शिक्षण के प्रति जवाबदेह बनाएगी। जब शिक्षक को पता होगा कि उसकी कक्षा का ऑडिट किया जा सकता है, तो शिक्षण की गुणवत्ता और गंभीरता में स्वतः ही सुधार होगा।

डिग्री वितरण बनाम ज्ञानार्जन

वर्तमान में बिना पढ़ाई के डिग्री बांटने की जो प्रथा चल पड़ी है, उसने भारतीय युवाओं की वैश्विक साख को खतरे में डाल दिया है। जब कक्षाएं नियमित नहीं होतीं, तो छात्र केवल पास होने के लिए रट्टा मारते हैं या नकल का सहारा लेते हैं। इस प्रक्रिया में डिग्री तो मिल जाती है, लेकिन योग्यतानगण्य रह जाती है। कक्षा की डिजिटल निगरानी इस डिग्री मिल संस्कृति पर प्रभावी लगाम लगाएगी।

कार्यान्वयन के व्यावहारिक चरण

इस व्यवस्था को धरातल पर उतारने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की आवश्यकता है:–

क. सेंट्रल मॉनिटरिंग सेल की स्थापना: प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक समर्पित मॉनिटरिंग सेल होना चाहिए। यह सेल रैंडम आधार पर विभिन्न कक्षाओं का लाइव ऑडिट करे। इसका उद्देश्य शिक्षकों को प्रताड़ित करना नहीं, बल्कि शैक्षणिक बाधाओं की पहचान करना होना चाहिए।

ख. फीडबैक लूप और श्रेष्ठता का सम्मान: कैमरों का उपयोग दंडात्मक न होकर एप्रिसिएशन के लिए भी होना चाहिए। बेहतरीन शिक्षण करने वाले शिक्षकों के लेक्चर को रिकॉर्ड करके अन्य कॉलेजों के साथ साझा किया जाना चाहिए। इससे एक नॉलेज बैंक तैयार होगा जिसका लाभ उन छात्रों को भी मिलेगा जिनके पास अच्छे शिक्षकों का अभाव है।

ग. डेटा गोपनीयता और सुरक्षा:यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि फुटेज का उपयोग केवल और केवल शैक्षणिक सुधार के लिए हो। डेटा का किसी भी प्रकार का दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े कानूनी और तकनीकी सुरक्षा कवच होने चाहिए।

सुरक्षा और अनुशासन का अतिरिक्त लाभ

कक्षाओं में डिजिटल निगरानी का एक और बड़ा पहलू सुरक्षा है। यह परिसर में अनुशासन बनाए रखने और रैगिंग जैसी घटनाओं को रोकने में रामबाण सिद्ध हो सकता है। छात्र और छात्राएं परिसर में सुरक्षित महसूस करेंगे, जिससे शैक्षणिक वातावरण और अधिक सकारात्मक होगा।

चुनौतियां और विरोध के स्वर

निश्चित रूप से, इस तरह के प्रस्ताव का विरोध निजता और अकादमिक स्वतंत्रता के नाम पर होगा। लेकिन यहाँ यह तर्क महत्वपूर्ण है कि एक सार्वजनिक शिक्षक का कक्षा में शिक्षण निजी कृत्य नहीं, बल्कि लोक कर्तव्य है। जब हम मेट्रो, रेलवे स्टेशन और सड़कों पर सुरक्षा के लिए कैमरों को स्वीकार करते हैं, तो राष्ट्र निर्माण के सबसे महत्वपूर्ण स्थल कक्षा में पारदर्शिता से क्यों डरते हैं?

निष्कर्ष: एक नई दिशा की ओर

"परीक्षा की पवित्रता तब तक अधूरी है, जब तक कक्षा की निरंतरता और गुणवत्ता सुनिश्चित न हो।" यदि हम परीक्षा के 3 घंटों को कैमरे की जद में रख सकते हैं, तो साल भर चलने वाली 1000 घंटों की कक्षाओं को क्यों नहीं?

डिजिटल निगरानी का असंतुलन दूर करना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। हमें तकनीक को केवल चेक पोस्ट की तरह नहीं, बल्कि प्रकाश स्तंभ की तरह उपयोग करना होगा। जब हमारी कक्षाएं पारदर्शी, जवाबदेह और गुणवत्तापूर्ण होंगी, तभी हम सही मायने में एक ज्ञान आधारित समाज का निर्माण कर पाएंगे। स्मार्ट क्लासरूम ऑडिट केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था के कायाकल्प की एक अनिवार्य आवश्यकता है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

डिजिटल राजस्थान में बढ़ता अकेलापन

भूपेश दीक्षित

राजस्थान आज डिजिटल क्रांति के दौर में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 5 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 'पॉपुलेशन प्रोजेक्शन फॉर इंडिया एंड स्टेट्स' रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2026 तक राजस्थान में 10 से 29 वर्ष आयु वर्ग की आबादी लगभग 3 करोड़ होगी। यह वह पीढ़ी है जिसके हाथों में प्रदेश का आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी भविष्य होगा। लेकिन डिजिटल प्रगति के इस उजले पहलू के साथ एक गंभीर चुनौती भी तेजी से उभर रही है। आज के युवा अपना अधिकांश समय स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और स्क्रॉलिंग में बिता रहे हैं। इसका सीधा असर उनकी नींद, एकाग्रता, पढ़ाई, कार्यक्षमता और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। डिजिटल कंटेंट कंपनियाँ ऐसे अल्गोरिथम बना रही हैं जो बच्चों और युवाओं को घंटों स्क्रीन से बांधे रखते हैं। समस्या तकनीक के उपयोग की नहीं बल्कि उसके अनियंत्रित और व्यसनी स्वरूप की है। ऑनलाइन शॉपिंग, रील्स, लाइक्स, कमेंट्स और स्टेटस अपडेट जैसी गतिविधियों ने युवाओं को आभासी दुनिया में तो जोड़ दिया है लेकिन वास्तविक समाज से दूर कर दिया है। परिणामस्वरूप अकेलापन, तनाव, अवसाद, भावनात्मक अस्थिरता और आत्महत्या के विचार तेजी से बढ़ रहे है। मानसिक स्वास्थ्य संकट अब केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रह गया बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। राजस्थान राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में प्रदेश में 5530 लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण हुई यानी औसतन हर दिन लगभग 15 परिवार इस दर्द से गुजर रहे है। ये आंकड़े केवल संख्याएँ नहीं बल्कि टूटते सामाजिक ताने-बाने की चेतावनी हैं।

इसी पृष्ठभूमि में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 एक बेहद महत्वपूर्ण संदेश देता है। सर्वेक्षण बताता है कि जिन राज्यों और उनके जिलों में जहाँ सामाजिक जुड़ाव मजबूत है जैसे– बिहार और उत्तरप्रदेश, वहाँ आत्महत्या की दर कम है। वहीं जिन राज्यों में लोग परिवार और समुदाय से भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं जैसे– केरल और तमिलनाडु, वहाँ आत्महत्या दर अधिक है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि डिजिटल कनेक्टिविटी मानवीय रिश्तों का विकल्प नहीं बन सकती।

राजस्थान के कोटा, सीकर और जयपुर जैसे शैक्षणिक केंद्रों में लाखों विद्यार्थी घर से दूर रहकर पढ़ते हैं। उनके पास ऑनलाइन संपर्क तो है लेकिन भावनात्मक सहारे का अभाव है जो अक्सर गहरे मानसिक तनाव को जन्म देता है और जिसके दुष्परिणाम हमें आत्महत्या के रूप में हमें देखने को मिल रहे है। स्क्रीन पर मिलने वाली क्षणिक सराहना वास्तविक अपनत्व का स्थान नहीं ले सकती। इस चुनौती से निपटने के लिए केवल काउंसलिंग अथवा हेल्पलाइन पर्याप्त नहीं हैं। जरूरत है व्यापक सामाजिक और शैक्षणिक हस्तक्षेप की जैसे स्कूलों में मेंटल एंड डिजिटल वेलनेस कार्यक्रम, मेंटरशिप प्रणाली, बड्डी सिस्टम, सहपाठी सहयोग समूह, खेल-कला गतिविधियाँ और परिवारों में खुला संवाद।

समस्या के समाधान हेतु आगामी राज्य बजट में तीन ठोस प्रमाण आधारित कदम उठाए जा सकते हैं। पहला, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का विस्तार, स्कूल-कॉलेज आधारित काउंसलिंग सेवाओं और सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों के लिए वित्तीय प्रावधान। दूसरा, मेंटल हेल्थ एंड डिजिटल वेलनेस मिशन के तहत शिक्षक प्रशिक्षण और अभिभावक जागरूकता अभियान और तीसरा, युवा साथी केंद्रों और नेहरू युवा केंद्रों को मजबूत कर सामुदायिक संवाद और परामर्श की सुविधाओं में विस्तार।

राजस्थान के पास टेली-मानस, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्कूल हेल्थ प्रोग्राम और युवा साथ केंद्र जैसी व्यवस्थाएँ पहले से मौजूद हैं। आवश्यकता बस इतनी है कि नीति और बजट दोनों के केंद्र में सामाजिक जुड़ाव को प्राथमिकता दी जाए। क्योंकि जीवन बचाने का सबसे बड़ा सहारा दवाइयाँ, मोबाइल, इन्टरनेट या डिजिटल कनेक्टिविटी नहीं बल्कि मजबूत रिश्ते, सच्ची बातचीत और संवेदनशील समाज हैं। सरकार द्वारा जनहित में उठाये जाने वाले इन्ही ठोस क़दमों से आयुष्मान स्वस्थ राजस्थान और विकसित राजस्थान 2047 का सपना साकार होगा।

–भूपेश दीक्षित,
जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं संयोजक, द राजस्थान मेंटल हेल्थ एंड सुसाइड प्रिवेंशन नेटवर्क, जयपुर (राजस्थान)

खेजड़ी बचाओ आंदोलन – अनशन पर बैठे संत की तबीयत बिगड़ी

- **लोगों ने खुद को रेलिंग से बांधा; संत बोले-कानून नहीं बना तो हालत खराब कर देंगे**
- **अनिश्चितकालीन अनशन तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा**

बीकानेर। खेजड़ी बचाने के लिए चल रहे आंदोलन में अनिश्चितकालीन अनशन तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। बिश्नोई धर्मशाला के सामने पब्लिक पार्क में 450 से ज्यादा पर्यावरण प्रेमी, संत और 50 महिलाएं आंदोलन में डटी हुई हैं। कुछ आंदोलनकारी खुद को लोहे की रेलिंग से बांधकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अनशन पर बैठे धवा डोली मठ के महंत संत लाल दास की तबीयत ज्यादा खराब हो गई है। उन्हें पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

सच्चिदानंद महाराज के नेतृत्व में बड़ी संख्या संत अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि खुद को सनातनी कहने वाली सरकार निष्ठुर बनी हुई है। अन्न-जल त्यागकर बैठे लोगों की तबीयत बिगड़ रही है। कानून नहीं बना तो हालत खराब कर देंगे। बस तारीख बता दो, आमरण अनशन खत्म कर चले जाएंगे।

अनशन के दौरान पर्यावरण प्रेमी महेंद्रकुमार आंखों पर पट्टी बांधकर बैठे हैं। उन्होंने निर्णय होने तक पट्टी न खोलने की बात कही है। आंदोलन के नेतृत्वकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि मांगों पर ठोस फैसला होने तक अनशन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा। कलेक्ट्रेट और बिश्नोई धर्मशाला के बाहर पुलिस के करीब डेढ़ हजार जवान कड़ी निगरानी कर रहे हैं। वहीं, बिश्नोई धर्मशाला में 100 बेड का अस्थायी अस्पताल बनाया गया है।

तबीयत बिगड़ने पर अनशनकारी मांगीलाल नोखड़ा को एम्बुलेंस से पीबीएम हॉस्पिटल ले जाते लोग। बीकानेर में कलेक्ट्रेट ऑफिस के बाहर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात है। अन्न-जल छोड़ने से अनशनकारियों की लगातार तबीयत बिगड़ रही है। मेडिकल टीम मौके पर ही हेल्थ चेकअप कर रही है। बीकानेर में कलेक्ट्रेट ऑफिस के बाहर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है। संतों की तबीयत बिगड़ने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता कर दिया है। एडिशनल एसपी (सिटी) चक्रवर्ती सिंह और एडिशनल एसपी(ग्रामीण) बनवारी लाल दोनों ही अनशन स्थल के आसपास ही तैनात हैं। एसपी कावेंद्र सिंह सागर का कहना है कि स्थिति को देखते हुए कलेक्ट्रेट और धरना स्थल पर करीब डेढ़ हजार जवानों की तैनाती की गई है।

आंदोलन से जुड़े विक्रम बिश्नोई ने बताया कि धरना स्थल पर 24 घंटे से अधिक समय से अनशनकारियों ने पानी तक नहीं पीया है। कई अनशनकारियों की उम्र 70 साल से अधिक है, ऐसे में उनकी तबीयत भी नाजुक हो गई है। संत लाल दास महाराज भी डि-हाइड्रेट होकर बेहोश हो गए थे। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। उनका सीटी स्कैन किया जाएगा। हमें विश्वास है कि किसी के साथ कुछ गंभीर नहीं हो। धरना स्थल पर अनशनकारी मांगीलाल नोखड़ा की भी तबीयत बिगड़ गई है। उनका बीपी 300 तक पहुंच गया है। उन्हें भी एम्बुलेंस से पीबीएम हॉस्पिटल शिफ्ट किया जा रहा है। अनशनकारियों की संख्या को देखते हुए बिश्नोई धर्मशाला में ही एक अस्थायी अस्पताल बनाया गया है। चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक देवेंद्र चौधरी ने बताया– 100 बेड का हॉस्पिटल यहां तैयार किया जा रहा है। अब तक 50 से ज्यादा बेड लग चुके हैं। सीएमएचओ डॉ. पुखराज साध का कहना है कि सभी मरीजों को चेक किया जा रहा है। जिनकी जरा भी तबीयत कमजोर लग रही है, उन्हें भर्ती किया जा रहा हैं।

फलोदी जिले से आए श्यामलाल का कहना है कि मैंने जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति को पत्र भेजा है। पत्र में लिखा है कि मेरे समाज के संत आमरण अनशन पर बैठे हैं। यह मुझसे देखा नहीं जाता है। मैं राष्ट्रपति से कहना चाहता हूं कि या तो वे संत-महात्माओं का आमरण अनशन खत्म करवाएं या फिर मुझे इच्छा मृत्यु की अनुमति दें। सरकार हमारे धैर्य की परीक्षा न ले। श्रीगंगानगर किसान संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष अमर सिंह विश्नोई ने कहा कि गूंगी-बहरी सरकार को जगाने के लिए उन्हें यह प्रदर्शन करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री दुनिया भर में घूमकर ग्लोबल वार्मिंग का संदेश दे रहे हैं। जब दुनिया को पर्यावरण के महत्व की जानकारी भी नहीं थी, तब यहां के लोगों ने पेड़ों की रक्षा के लिए अपने बलिदान दिए थे।

प्रशासन किसी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड है। अनशन पर बैठे लोगों की तबीयत लगातार बिगड़ रही है। मेडिकल टीम मौके पर ही स्वास्थ्य जांच कर रही है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 5 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 10:57 तक, सुकर्मा योग रात्रि 12:04 तक, बव करण दिन 12:16 तक, चन्द्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज शुक्र कुम्भ राशि में रात्रि 1:11 पर प्रवेश करेगा। आज चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:41 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:36 तक, चर 11:19 से 12:41 तक, लाभ-अमृत 12:41 से 3:24 तक, शुभ 4:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:14, सूर्यास्त 6:07

मेष
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आज उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

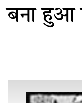

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

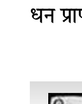

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

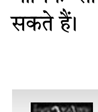

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

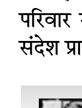

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

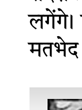

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक/पारिवारिक खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

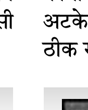

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

कोटा, (निसं)। शिव भगवती मंदिर तलवंडी में शिव भगवती मंदिर समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्री कृष्ण की जन्म लीला का मंचन धूम-धाम से मनाया। शिव भगवती मंदिर के संरक्षक विकास गोयल एव डॉ.आर.बी. गुप्ता ने बताया की कथा वाचक आचार्य हरीश मुद्गल द्वारा देव ऋषि पितृ यज्ञों का परिचय तथा वैदिक ऋषियों के जीवन तथा प्राचीन भारतीय आर्यों के द्वारा स्थापित मानव जीवन प्रधान वैदिक सोलह संस्कारों पर प्रकाश डाला। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा बहुत ही सुंदर और भावपूर्ण है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम (DANTY OOZHIKATTU JOSEPH) से बदलकर नया नाम DANTY JOSEPH रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-देन्ती जोसेफ पुत्र जोसेफ जोसेफ, सेन्ट पॉल स्कूल भाभानगर रावतभाटा चित्तोडगढ

जिला कलेक्टर ने कृषि विज्ञान केन्द्र का दौरा किया

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र विभिन्न एजेंसियों एवं बैंकों के सहयोग से अपना उद्यम शुरू करने के इच्छुक युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए ऋण दिलाने में मदद करें।

उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को उद्यम का प्रशिक्षण देने के साथ ही छोटे स्तर पर प्रोडक्ट तैयार करने में भी उनकी मदद की जाए। इसके लिए यूनिट स्थापित करने के बाद उन्हें मार्केटिंग और पैकेजिंग की ट्रैनिंग भी दी जाए। साथ ही, एफएसएसआई से सर्टिफिकेट प्राप्त करने में भी उनकी मदद की जाए। समारिया बुधवार को कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में किसानों, स्वयंसेवी सहायता समूह की महिलाओं एवं युवाओं को छोटे स्तर पर उद्यम शुरू करने के लिए दिए जाने वाले फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण संबंधित गतिविधियों का अवलोकन कर रहे थे। उन्होंने सोयाबीन को फूड सप्लीमेंट के रूप में तैयार करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। कृषि विज्ञान केन्द्र में स्किल डवलपमेंट एवं प्रोसेसिंग यूनिट की डॉ.गुंजन सनाढ्य ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र में दूसरे राज्यों से भी प्रतिभागी फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण लेने आते हैं। कई उद्यमियों ने प्रशिक्षण लेने के बाद अपने खुद के प्लांट लगाए हैं और वे अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं।

जिला कलेक्टर को डॉ.सनाढ्य ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को यहां प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जाती है ताकि वे स्वयं का उद्यम शुरू कर सकें। उन्होंने बताया कि केन्द्र से प्रशिक्षण लेने के बाद जयपुर के यश चौहान ने वेगन एग्रो फूड की स्थापना की और जयपुर में कई स्टोर संचालित करते हुए प्रतिमाह ढाई लाख रूपये की शुद्ध आय प्राप्त कर रहे हैं। इसके अलावा बारां जिले के अंता निवासी मोहम्मद असलम लहसुन प्रसंस्करण तकनीक का प्रशिक्षण लेकर आर्शु पिल्ड गार्लिक के नाम से सफल उद्यम का संचालन कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सोया पनीर प्लांट करीब 10 लाख रूपये की लागत से तैयार होता है जिससे सोया पनीर तैयार कर अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। सोया पनीर तैयार कर विक्रम सिंह करीब 90 लाख रूपये सालाना आय प्राप्त कर रहे हैं। जिला कलक्टर ने कृषि विज्ञान केन्द्र के कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर जाकर वहां लहसुन प्रसंस्करण की प्रक्रिया देखी। कृषि विज्ञान केन्द्र की डॉ. गुंजन सनाढ्य ने बताया कि लहसुन से छिलका हटाकर उसे सुखाया जाता है और पिल्ड गार्लिक फ्लेक्स तैयार कर उन्हें एक्सपोर्ट किया जाता है।

कृषि विश्वविद्यालय परिसर में प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय कृषि विज्ञान योजनांतर्गत स्थापित मॉडल डेयरी प्रदर्शन इकाई जाकर करीब 22 किलो प्रतिदिन दूध देने वाले गिर नस्ल की गाय देखी। उन्होंने गायों को गुड़ भी खिलाया। समारिया ने मॉडल बकरी प्रदर्शन इकाई जाकर बकरियों की उन्नत नस्लों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने वर्मी कम्पोस्ट इकाई का भी अवलोकन किया। प्रसार शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ.महेन्द्र सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से किसानों को तकनीक हस्तांतरण के साथ-साथ उत्पाद भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा के आयुक्त ओम प्रकाश मेहरा ने बताया कि नगर निगम कोटा द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ लगातार की जा रही कार्यवाही क्रम में एवं जन सुनवाई में प्राप्त परिवादों के त्वरित निवारण हेतु बुधवार को नगर निगम कोटा द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

जिसके अन्तर्गत तोसिफ खान प्रभारी अतिक्रमण व हनुमान राम, दिनेश गंगवाल सहप्रभारी अतिक्रमण व जाप्ता प्रभारी संजीव कुमार, दस्ता प्रभारी नरेन्द्र शाक्यवाल मय अतिक्रमण जाप्ता सहित न्यू रेलवे कॉलोनी, भीमगजमंडी कोटा जक्शन क्षेत्र में दुकानदारों से समझाईश करते हुए अस्थाई अतिक्रमण हटाए गए साथ ही जवाहर नगर क्षेत्र में जन सुनवाई प्री कैंप के दौरान प्राप्त शिकायत के निवारण हेतु सड़क मार्ग पर हो रहे अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया और संबंधित क्षेत्र में मुनादी करते हुए लोगों से समझाईश की गई।

साथ ही अतिक्रमण टीम द्वारा अतिक्रमियों को अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी गई। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

सार-समाचार

पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला

कोटा, (निसं)। आगामी त्यौहारो को देखते हुए रेपिड एक्शन फोर्स एवं थाना विज्ञान नगर पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से इलाके के विभिन्न क्षेत्रो में फ्लेग मार्च निकाला। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आगामी त्यौहारों को देखते हुए रेपिड एक्शन फोर्स एवं विज्ञान नगर थाना पुलिस टीम ने विज्ञान नगर इलाके के संवेदनशील क्षेत्रो में फ्लैग मार्च निकाला। शहर एसपी ने बताया कि रेपिड एक्शन फोर्स एवं स्थानीय थाने की पुलिस टीम ने विज्ञान नगर इलाके के छत्रपुरा तालाब, संजय नगर, संजय नगर उड़िया बस्ती, विस्तार योजना, इन्द्रा कॉलोनी, मुख्य बाजारों एवं इलाके के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लेग मार्च निकाला। शहर एसपी ने बताया कि फ्लेग मार्च रेपिड एक्शन फोर्स की 83 बटालियन के कमाण्डेंट कुलदीप कुमार जैन के मार्गदर्शन में सहायक कमाण्डेन्ट सोनिया के नेतृत्व में निकाला जा रहा है। रेपिड एशन फोर्स के द्वारा किये गये अभ्यास की जानकारी देते हुए सहायक कमाण्डेन्ट सोनिया ने बताया कि अभ्यास के दौरान इलाके की जनसंख्या, सामुदायिक दृष्टि से संवेदनशील जगहों की सूची तैयार की जायेगी ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कोई साम्प्रदायिक तनाव एवं दंगा की स्थिति घटित होने या प्राकृतिक आपदा होने पर अधिक कारगर ढंग से उस पर नियंत्रण एवं कार्यवाही की जा सके।

ग्रैंडपेरेंट्स डे दिवस धूमधाम से मनाया

रामगंजमंडी, (निसं)। डीएवी पब्लिक स्कूल रामगंजमंडी में बुधवार को ग्रैंडपेरेंट्स डे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों, दादा-दादी, माता-पिता और समस्त स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन पीढ़ियों के बीच स्नेह और बंधन को मजबूत करने का शानदार मंच साबित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन अखिलेश मेड़तवाल रहे। सम्मानित अतिथि के रुप में मैनेजर ए आर ओ मैडम सरिता रंजन और स्कूल प्रमुख डॉ. आरती शर्मा उपस्थित रही। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और दादा-दादी व नाना-नानी को सम्मानित किया। कार्यक्रम रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों से सजा। माताओं और बेटियों का संयुक्त नृत्य, बहनों का आकर्षक डांस, छोटे बच्चों के प्यारे नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष आकर्षण रहा दादा-दादी, माता-पिता और छात्रों द्वारा मंचित स्किट, जिसमें मोबाइल फोन के छात्रों पर नकारात्मक प्रभावों को हास्यपूर्ण ढंग से दर्शाया गया।

कार्यकारिणी की घोषणा

कोटा, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोटा महानगर के राजकीय कला महाविद्यालय कोटा की कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में विभाग संयोजक पुलकित गहलोत उपस्थित रहे निर्वाचन महानगर मंत्री दीप्ति मेवाड़ा ने किया और सह मंत्री शुभम शर्मा उपस्थित रहे महानगर मंत्री दीप्ति मेवाडा ने इकाई अध्यक्ष रितिक नकवाल व इकाई सचिव पवन सोनी की घोषणा की इकाई अध्यक्ष रितिक नक़वाल द्वारा कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमे उपाध्यक्ष खुशी धाकड़ रुद्रेश तिवारी विपिन यादव साक्षी चौहान सतीश चांसी सह सचिव शिवम् सुमन यश मंडावत समीर सोनवाल समीक्षा गोचर नंदिनी शर्मा मीडिया संयोजक आयुष मराठे सोशल मीडिया संयोजक शिवम् मेघवाल सोशल मीडिया सह-संयोजक अमन खारोल कुंदन मीणा राहुल निर्मल नोमेश शर्मा सहित अन्य कई पदों पर कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

बीजासन माता मेले का विधिवत समापन

छबड़ा (निसं)। समीपवर्ती मध्यप्रदेश सीमा से सटे गांव गुगोर में चल रहे बीजासन माता मेले का बुधवार को विधिवत समापन हो गया है। कार्यक्रम के मुख्यातिथि पूर्व सरपंच रामदयाल नागर (कडैयावन) रहे व एएसआई हेमचंद मालव ने अध्यक्षता की। यहां मंचासीन अतिथियों का प्रशासक (सरपंच) राजेन्द्र खारोल द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, सामुदायिक एकता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मेलों के महत्व पर जोर दिया और कहा कि ऐसे आयोजन आपसी भाईचारे को बढ़ाते हैं और कला-संस्कृति को जीवंत रखते हैं। अंत मे प्रशासक खारोल व ग्राम विकास अधिकारी गिर्राज सुमन ने पुलिस व प्रशासन सहित मेले की व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करने वाले श्रद्धालुओं व मेला समिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कोटा मंडल के अधिकारी-कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा एवं रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा 70वें रेल सप्ताह समारोह के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार रेल सेवा पुरस्कार एवं दक्षता शील्ड प्रदान करने का आयोजन उत्सव सामुदायिक भवन, मदनमहल, जबलपुर में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय द्वारा चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कोटा मंडल की ओर से यह सम्मान मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा द्वारा मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ प्राप्त किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि समारोह में कोटा मंडल के 03 गजटेड अधिकारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया। इनमें यांत्रिक विभाग के सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता संतोष कुमार, चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी डॉ.सतीश कुमार तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता सुभाष यादव शामिल हैं।

इसी क्रम में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (अराजपत्रित) श्रेणी में कोटा मंडल के सिविल इंजीनियरिंग, वाणिज्य, यांत्रिक, परिचालन, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा भंडार विभाग के कुल 11 कर्मचारियों को उनके दायित्वों के उत्कृष्ट निर्वहन, सुरक्षित रेल संचालन एवं तकनीकी दक्षता के लिए सम्मानित किया गया।

रेल सेवा पुरस्कार (मुख्यालय श्रेणी) के अंतर्गत कोटा मंडल से संबद्ध लेखा, यांत्रिक एवं भंडार विभाग के 08 अराजपत्रित कर्मचारियों को भी सम्मान प्रदान किया गया, जिन्होंने कार्यशाला एवं कार्यालय स्तर पर उल्लेखनीय योगदान दिया।

कैट वीमेन विंग की प्रोफेशनल महिलाओं ने लोकसभा में बजट परिचर्चा देखी

कोटा, (निसं)। कैट महिला विंग, कोटा के तत्वावधान में 70 प्रोफेशनल महिला सदस्यों ने "वीमेन लीडर्स फैलोशिप टूर लोकसभा" के अंतर्गत संसद भवन में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान बजट पर हो रही परिचर्चा को प्रत्यक्ष रूप से देखा। कैट वीमेन विंग कोटा की अध्यक्ष नीलम विजयवर्गीय ने बताया कि लोकसभा में जाकर प्रोफेशनल महिलाओं द्वारा बजट पर चल रही चर्चा एवं संसदीय कार्यवाही को देखना एक अत्यंत प्रेरणादायक और शैक्षणिक अनुभव रहा।

इस अवसर पर महिला सदस्यों ने लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला का अभिनंदन कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस विशिष्ट नेतृत्वात्मक एवं शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से प्रतिभागी महिलाओं को संसद की कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं तथा नीति-निर्माण की गहन जानकारी प्राप्त हुई। यह पहल महिला सशक्तिकरण को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास सिद्ध हुई। कैट महिला विंग जिला कोटा द्वारा आयोजित इस फैलोशिप टूर से महिलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व, निर्णय-प्रक्रिया एवं सामाजिक-आर्थिक विषयों की व्यावहारिक समझ विकसित करने का अवसर मिला।

इस अवसर पर कैट महिला विंग कोटा की अध्यक्ष नीलम विजयवर्गीय के नेतृत्व में एवं सचिव भाविका प्रीत रमानी के कुशल समन्वय से लोकसभा भ्रमण, स्पीकर अभिनंदन व आभार कार्यक्रम, राष्ट्रपति भवन, अमृत उधान, इंडिया गेट व वॉर मेमोरियल म्यूजियम सहित अन्य गतिविधियां सम्पन्न कराई गई। इस फैलोशिप टूर में भाग लेने वाली प्रमुख महिला सदस्यों में नीलम विजयवर्गीय, प्रिया सिंह, मानसी सिंह, साक्षी सिंह, लक्ष्मी छाबड़ा, सुहानी कुम्भारे, नेहा प्रकाश, सुनीता विजय, जूही शर्मा, सोनाक्षी विजय, दिव्याना विजय, लक्षिता विजय, पूर्विका अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, गरिमा जैन, चित्रांगी अग्रवाल, कीर्ति विजयवर्गीय, उर्मिला विजय, शिल्पी गुप्ता, प्रीति गुप्ता, मीनाक्षी जांगिड़, पूजा गेरा, रक्षा नरूका, अनीता शर्मा, ललिता टोंग्या एवं कीर्ति गोयल शामिल रही।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक-LU2012/KOT/2025-26/101140 **लोक सूचना** दिनांक-03.02.2026

श्री MAMTA BAI पुत्री श्री RADHESHYAM जाति AHERI निवासी KEDAKUI BARAN BARAN WARD NO.12 BARAN, RAJASTHAN ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन इकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	खेडा जगपुरा, लाडपुरा (कोटा)	MAMTA BAI D/O RADHESHYAM	378/238	11300	1.13
				कुल	1.13

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 03-02-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ-15/कृ.भू.रू./2026/2043 **विज्ञप्ति** दिनांक : 4.2.2026

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम दौलतगंज उर्फ नयागांव में स्थित कृषि भूमि योजना महेश कॉलोनी भूखण्ड संख्या 40 खसरा नं. 102 आवेदक/आवेदिका श्रीमती मधु कुमावत पुत्र श्री हनुमान कुमावत एवं गर्वित कुमावत पुत्र श्री हनुमान कुमावत निवासी छत्रपुरा बूंदी राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 944 दिनांक 20.02.2013 को श्रीमती पुष्पादेवी पत्नि श्री रामेशवर सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा जर्ये नोटिरीशुद्धा मुख्तारआम दिनांक 01.01.2015 से सांवरिया कुमावत पुत्र श्री चतुर्भुज कुमावत से नियुक्त किया गया है। मुख्तारआम सांवरिया कुमावत द्वारा उक्त भूखण्ड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 03.12.2025 को आवेदको के पक्ष में किया गया है।

अतः श्रीमती मधु कुमावत पुत्र श्री हनुमान कुमावत एवं गर्वित कुमावत पुत्र श्री हनुमान कुमावत के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय नगर परिषद बारां

क्रमांक : नपबा/राजस्व शाखा/2026/9945 दिनांक : 19.01.2026

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति कमलेश कुमारी पत्नी श्री राजेश कुमार निवासी बारां का आवेदन नाम हस्तान्तरण चाहने वास्ते प्राप्त हुआ है। जिसमें पट्टा विलेख पत्रावली क्रमांक 80/102 दिनांक 01.04.1971, भूखण्ड संख्या निल माप 1250 वर्गफीट योजना खजुरपुरा बंक रोड़ बारां का श्री मोहनलाल पुत्र श्री भंवरलाल के नाम जारी किया गया था। तत्पश्चात पट्टाधारक द्वारा जर्ये नोटेरीशुदा वसीयतनामा दिनांक 27.02.2017 से उक्त भूखण्ड माप 1250 वर्गफीट में से 968 वर्गफीट को श्री राजेश कुमार पुत्र श्री मोहनलाल को हक प्राप्त करा दिया गया। व श्री राजेश कुमार पुत्र श्री मोहनलाल द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड दान पत्र दिनांक 26.07.2023 से उक्त भूखण्ड माप 968 वर्गफीट को श्रीमति कमलेश कुमारी पत्नी श्री राजेश कुमार को दान कर दिया। आवेदिका ने इसी आधार पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण अपने नाम चाहा है। उक्त सम्पत्ति के संबंध में अन्य किसी को आपत्ति हो तो अन्तर 7 दिवस में आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ कार्यालय हजा में प्रस्तुत करे। बाद अवधि गुजर जाने पश्चात आपत्ति मान्य नही होगी।

आयुक्त नगर परिषद बारां

कार्यालय नगर परिषद बारां

क्रमांक : नपबा/भूमि रूपां/2025/9985-86 **भू उपयोग परिवर्तन विज्ञप्ति** दिनांक : 20.01.2026

नगरीय विकास विभाग की समय समय पर जारी परिपत्र/अधिसूचना के तहत बनाये गये राजस्थान नगरीय क्षेत्र (भू उपयोग परिवर्तन नियम) के अन्तर्गत सर्व साधारण को किया जाता है कि निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निम्न प्रकरण का भू-उपयोग परिवर्तन हेतु जिला स्तरीय/राज्य स्तरीय भू-उपयोग परिवर्तन समिति में रखा जाना प्रस्तावित है। उक्त भूमि के भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को आपत्ति हो तो 15 दिवस में नगर परिषद कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। प्रकरण का विवरण निम्नानुसार है।

क्र सं	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम खसरा नं.	जोनल प्लान (जॉन बी) में भू-उपयोग	प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन	क्षेत्रफल	विशेष विवरण
1.	श्री शिवचरण शर्मा पुत्र श्री कन्हैयालाल शर्मा निवासी पुरानी नाकोडा तेल फेक्टरी बारां तह. बारां जिला बारां (राज.)	नलका खसरा नं. 431,भूखण्ड संख्या 1 गौत्तम आदर्श ग्रह निर्माण बांरा	सड़क मार्गाधिकार के बाद मिश्रित पश्चात आवासीय	आवासीय से व्यवसायिक	157.22 वर्गमीटर	

आयुक्त नगर परिषद बारां

कार्यालय नगर निगम, कोटा

क्रमांक-ननिको/भ.नि.अनु./जोन-द्वितीय/2026/5186-87 दिनांक- 4.2.26

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री देवेन्द्र सक्सैना पुत्र श्री कैलाशचन्द निवासी-बी-3, डॉक्टर कोलोनी, बल्लभबाडी कोटा राजस्थान द्वारा आवास/भूखण्ड लाडपुरा कोटा जिसका क्षेत्रफल 193.75 वर्गगज का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तानान्तरण हेतू आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है।

आवास/भूखण्ड बी-3, डॉक्टर कोलोनी, बल्लभबाडी कोटा स्थित भूखण्ड का आवंटन राजस्थान आवासन बोर्ड द्वारा आवंटन पत्र क्रमांक 1648 दिनांक 10.05.1985 को श्री कैलाशचन्द सक्सैना पुत्र श्री बृजगोपाल सक्सैना जिसका कुल क्षेत्रफल 193.75 वर्गगज आंवटित किया गया। श्री कैलाशचन्द सक्सैना पुत्र श्री बृजगोपाल सक्सैना की मृत्यु दिनांक 27.08.1999 को हो चुकी है। मृत्यु उपरान्त उनके विधिक वारिसान द्वारा रजिस्टर्ड हक-त्याग पत्र दिनांक 17.11.2025 को श्री देवेन्द्र सक्सैना पुत्र श्री कैलाशचन्द के पक्ष में निष्पादित किया गया।

आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार आवास/भूखण्ड बी-3, डॉक्टर कोलोनी, बल्लभबाडी कोटा द्वारा कुल क्षेत्रफल 193.75 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त आवास/भूखण्ड बी-3, डॉक्टर कोलोनी, बल्लभबाडी कोटा का नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य कोई जो उक्त भूखण्ड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ती हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ती लिखित रूप से अधो-हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उक्त निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आपत्ती मान्य नही होगी।

उपायुक्त नगर निगम, कोटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा

क्रमांक-ननिको/भ.नि.अनु./जोन-द्वितीय/2026/5188-89 दिनांक- 4.2.26

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकों श्री अशोक ओबेराय एवं श्री अजय ओबेराय पुत्र स्व. श्री रघुनाथ निवासी-2, जैन मन्दिर रोड, मंगलायतन् के सामने, भीमगंजमण्डी कोटा राजस्थान द्वारा जिसका क्षेत्रफल 376.42 वर्गगज का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तानान्तरण हेतू आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है।

आवास/भूखण्ड 2, जैन मन्दिर रोड, मंगलायतन् के सामने, भीमगंजमण्डी कोटा स्थित भूखण्ड का आवंटन म्यूनिसिपल बोर्ड शहर, कोटा द्वारा श्री बिरधीलाल एवं श्री राजमल पुत्र श्री पन्नालाल जिसका कुल क्षेत्रफल 376.42 वर्गगज आंवटित किया गया। श्री राजमल पुत्र श्री पन्नालाल द्वारा दिनांक 29.03.1965 को रजिस्टर्डे विक्रय-पत्र श्री रघुनाथ ओबेराय पुत्र श्री लक्ष्मणदास के पक्ष मे किया गया। श्री रघुनाथ ओबेराय पुत्र श्री लक्ष्मणदास द्वारा जर्ये रजिस्ट्रर्ड वसीयत-नामा दिनांक 21.09.1990 को श्रीमती विमला रानी ओबेराय पत्नी श्री रघुनाथ ओबेराय के पक्ष मे निष्पादित किया गया। श्री रघुनाथ ओबेराय की मृत्यु दिनांक 17.06.2006 को हो चुकी है एवं श्रीमती विमला रानी की भी मृत्यु दिनांक 22.04.2018 को हो चुकी है। श्रीमती विमला रानी ओबेराय पत्नी स्व. श्री रघुनाथ ओबेराय द्वारा रजिस्ट्रर्ड वसीयत-नामा दिनांक 31.03.2011 को आवेदको श्री अशोक ओबेराय एवं श्री अजय ओबेराय पुत्र स्व. श्री रघुनाथ ओबेराय के पक्ष में निष्पादित किया गया।

आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार आवास /भूखण्ड 2, जैन मन्दिर रोड, मंगलायतन् के सामने, भीमगंजमण्डी कोटा द्वारा कुल क्षेत्रफल 376.42 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त आवास /भूखण्ड 2, जैन मन्दिर रोड, मंगलायतन् के सामने, भीमगंजमण्डी कोटा का नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य कोई जो उक्त भूखण्ड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ती हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ती लिखित रूप से अधो-हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। उक्त निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आपत्ती मान्य नही होगी।

उपायुक्त नगर निगम, कोटा

राजस्थान सरकार

कार्यालय ग्राम पंचायत कुन्दनपुर, पंचायत समिति सांगोद जिला कोटा (राज.)

क्रमांक/118 **खुली नीलामी बोली सूचना संख्या 01/2025-26** दिनांक-26.01.26

ग्राम पंचायत कुन्दनपुर मे अंग्रेली बबूल (जूलिफलोरा) विलायती बबूल/जंगली बबूल/कटीली झाडियों के उन्मूलन हेतु राजस्थान सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत श्रेणी के संवेदको से निर्धारित प्रपत्रों में अल्पकालिन खुली नीलामी बोली के माध्यम से दिनांक 11.02.2026 को आमंत्रित की जाती है।

निविदा शर्ते व शुल्क से सम्बन्धित विवरण कार्यालय समय पर कार्य दिवस में आकर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदक आवेदन शुल्क नकद जमा कर ग्राम पंचायत कुन्दनपुर से प्राप्त कर सकतें है।

प्रशासक ग्राम पंचायत कुन्दनपुर पंचायत समिति सांगोद

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत कुन्दनपुर पंचायत समिति सांगोद

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां

क्रमांक-न.पा.छ./2026/7839 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-4.02.26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदको द्वारा भू उपयोग परिवर्तन नियम 2010 के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत कर उनके नाम के आगे अंकित भूखण्ड का व्यवसायिक/मिश्रित प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन चाहा गया है। इस बावत् किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आपत्ति प्रकाशन के 15 दिवस में अपनी आपत्ति गय दस्तावेज एवं सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है, समयावधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नही होगी, एवं भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड संख्या, साईज व स्थान	चाहा गया भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्रीमती कृष्णा जैठवानी पत्नी श्री किशन चन्द जैठवानी जाति सिंधी निवासी छबडा तह. छबडा जिला बारां (राज.)	भूखण्ड सं. 25 25x64=1600 वर्गफीट	व्यवसायिक/मिश्रित

अधिशाषी अधिकारी मगरपालिका छबड़ा

कार्यालय नगर पालिका अन्ता जिला बारां (राज0)

क्रमांकः-न.पा.अ./भूमि/2026/3037-3040 दिनांकः 29/01/2026

लोक सूचना

राजकिय होम्योपैथिक ब्लॉक औशधालय अंता जिला-बारां (राज.) के नाम नगर पालिका द्वारा भू आंवटन नीति 2025 के अनुसार भूमि आंवटन किया जाना है।

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
जिला-बारां तहसील-अन्ता	राजस्व ग्राम अन्ता	236 रकबा 0.18 हैक्ट0	210 वर्गमीटर

इसलिए इसके द्वारा समस्त व्यक्तियों को सूचित किया जाता हैं कि यदि किसी व्यक्ति को भू आंवटन नीति 2025 के अनुसार भूमि आंवटन की अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप हैं तों वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समक्षा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं हैं और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज..............................को जारी की गयी।

राज.संवाद/सी/25/19093 **अधिशाषी अधिकारी**

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक)

AU SMALL FINANCE BANK — A SCHEDULED COMMERCIAL BANK

रजिस्टर्ड ऑफिसः 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

परिशिष्ट IV (देखें नियम 8 (1) कब्जा सूचना)

जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 13(12) का सपठित नियमों के नियम (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणीयों को मांग सूचना पत्र निम्नलिखित तालिका के अनुसार निर्गमित कर तालिका में राशि 60 दिवस के भीतर चुकाने के लिये कहा गया था।

ऋणी/सह-ऋणी/बंधककर्ता/जमानतदार का नाम /ऋण खाता सं.	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक संपत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख
ऋण खाता सं.: L9001060123598148 **कृष्णा किराना स्टोर (ऋणी)**, बालु सिंह (सह-ऋणी), श्रीमती कृष्णा बाई (सह-ऋणी)	13 जून 2023 ₹ 401237/- रु. चार लाख एक हजार दो सौ सैंतीस मात्र 12 जून 2023	सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग रिहायशी/गैररिहायशी भूमि, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर एवं फिक्चर सम्पत्ति स्थित खसरा नं. 1286, ग्राम धतुरिया, तहसील - डूग, जिला - झालावाड़, राजस्थान, क्षेत्रफल 166.67 वर्ग गज, पूर्वः मेहताब का मकान, पश्चिम : भगवान सिंह का रोड, उत्तरः कालु की दुकान, दक्षिणः भगवान सिंह का मकान	30 जनवरी 2026
ऋण खाता सं.: L9001060123185601 **शर्मा किराना स्टोर (ऋणी)**, दिलीप शर्मा (सह-ऋणी), श्रीमती ममता बाई (सह-ऋणी)	21 अगस्त 2024 ₹ 604061/- रु. छः लाख चार हजार इकसठ मात्र 21 अगस्त 2024	(1) सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग रिहायशी/गैररिहायशी भूमि, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर एवं फिक्चर सम्पत्ति स्थित खसरा नं. 4/2, पट्टा नं. जेडब्ल्यू आर 56626, गांव व ग्राम पंचायत क्यासरा, पंचायत समिति - डाग, जिला - झालावाड़, राजस्थान क्षेत्रफल 1311 वर्ग फीट, पूर्वः दिलीप शर्मा का मकान, पश्चिमः दसरथ का मकान, उत्तरः रास्ता, दक्षिण : पंचायत की खुली जमीन (2) सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग रिहायशी/गैररिहायशी भूमि, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर एवं फिक्चर सम्पत्ति स्थित खसरा नं. 4/2, पट्टा नं. जेडब्ल्यू आर 56478, गांव व ग्राम पंचायत क्यासरा, पंचायत समिति - डाग, जिला - झालावाड़, राजस्थान क्षेत्रफल 616 वर्ग फीट, पूर्वः रघुनाथ का मकान, पश्चिमः दशरथ का मकान, उत्तरः रास्ता, दक्षिण : पंचायत की खुली जमीन	30 जनवरी 2026

ऋणियों द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणियों को तथा सामान्य जन कों एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में उपरोक्त तालिका में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ग्रहण कर लिया है।

ऋणियों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के साथ सपठित नियम 8(6) की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसके अन्तर्गत प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय अर्थात इस सूचना से 30 दिवस के सम्बन्ध में है।

ऋणियों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त तालिका में वर्णित राशि तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक "एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड" (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।

स्थानः राजस्थान दिनांकः 04 फरवरी 2026 **प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड**

103 किलो मूंगफली तेल सीज, एक क्विंटल अवधिपार खाद्य सामग्री को मौके पर नष्ट कराया

कार्यवाही के दौरान 1 क्विंटल के लगभग अवधिपार मिली खाद्य सामग्री जिसमें सॉस, मसाले, चाय पत्ती शामिल है नष्ट करवाये गये

भीम में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए खाद्य सुरक्षा दल।

- 15 लीटर अवधिपार कॉल्ड ड्रिंक को भी करवाया नष्ट
- भीम में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत बडी कार्यवाही

राजसमंद, (कासं)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला के आदेशों पर सीएमएचओ डॉ. हेमन्त कुमार बिन्दल के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा दल द्वारा भीम में बडी कार्यवाही कर 103 किलो मुंगफ ली का तेल को मौके पर सीज किया गया तथा कार्यवाही के दौरान 1 क्विंटल के लगभग अवधिपार मिली खाद्य सामग्री जिसमें सॉस, मसाले, चाय पत्ती शामिल है नष्ट करवाये गये।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचन्द शर्मा ने बताया कि भीम क्षेत्र में कमलेश किराणा एंड जनरल स्टोर से मूंगफ ली के तेल का एक नमुना लिया गया तथा लगभग 103 किलोग्राम मूंगफ ली के तेल को मौके पर सीज किया गया। उक्त फ र्म पर अवधि पार 30 किलोग्राम के लगभग सॉस तथा मसालो को भी मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

टीम ने भीम रोडवेज बस स्टेंड रोड स्थित नाकोडा स्वीट्स एण्ड किराणा स्टोर से मुंग दाल तथा मसूर की दाल का एक नमुना लिया तथा लगभग 15 लीटर अवधिपार कोल्ड ड्रिंक को नष्ट करवाया। टीम ने भीम हॉस्पीटल रोड स्थित गोपालदास लीलाराम किराणा स्टोर का निरीक्षण किया जहां खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सरसों तेल का नमुना लिया गया तथा निरीक्षण के दौरान अवधि पार तेल, चाय पत्ती, नमक, मसाले तथा अन्य खाद्य सामग्री लगभग 70 किलोग्राम को मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

उन्होंने बताया कि लिए गये खाद्य पदार्थो के नमुनो को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला उदयपुर में भिजवाया जायेगा तथा जांच रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रेमचन्द शर्मा, प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र डांगी तथा सहायक महेन्द्र सिंह शामिल थे। सीएमएचओ डॉ. हेमन्त कुमार बिन्दल ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशो पर शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रो में नियमित कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस के सर्जिकल स्ट्राइक में मध्यप्रदेश की ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड

- तलाशी के दौरान पिकअप में घरेलू सामान के नीचे छिपाए गए 6 ड्रम बरामद हुए। इनमें 2-ब्रोमो 4-मिथाइल प्रोपियोफेनोन नामक केमिकल भरा था, जिसका उपयोग एमडी जैसी खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स बनाने में किया जाता है

जयपुर। झालावाड़ पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश में चल रही ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। डीआरआई जयपुर के इनपुट पर की गई इस संयुक्त कार्यवाही में पुलिस ने 320.72 किलोग्राम संदिग्ध केमिकल और पिकअप व महिंद्रा टीयूवी जब्त कर 5 तस्करों को डिटेन किया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि मंगलवार 3 फरवरी की रात को झालरापाटन थानाधिकारी अल्का और डीएसटी प्रभारी मोहन लाल के नेतृत्व में टीमों ने ग्रोथ सेंटर चौराहे पर खड़ी संदिग्ध पिकअप और महिंद्रा टीयूवी को चैक किया।

तलाशी के दौरान पिकअप में घरेलू सामान के नीचे छिपाए गए 6 ड्रम बरामद हुए। इनमें 2-ब्रोमो 4-मिथाइल प्रोपियोफेनोन नामक केमिकल भरा था, जिसका उपयोग एमडी जैसी खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स बनाने में किया जाता है।

प्रारंभिक पूछताछ में पकड़े गए तस्करों दीपक (30), जितेंद्र सिंह (41) और शैलेंद्र विलाला (26) निवासी आगर मालवा मध्य प्रदेश ने खुलासा किया कि वे यह केमिकल ट्रांसपोर्ट के जरिए महाराष्ट्र से कोटा मंगवाया था। वहां से इसे किराये की पिकअप में भरकर मध्य प्रदेश के आगर में जयनारायण उर्फ मामू को डिलीवरी देने जा रहे थे। इस सूचना पर पुलिस ने तत्काल मध्य प्रदेश के सुसनेर में दबिश देकर मुख्य रिसीवर जयनारायण मामू और उसके साथी रामलाल को भी दबोच लिया।

मामू से कड़ी पूछताछ के बाद पुलिस राजगढ़ जिले के माचलपुर पहुंची। हालांकि मुख्य सरगना रघुनंदन पाटीदार अपनी कार लेकर फरार हो गया, लेकिन जब पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी तो वहां पूरी ड्रग्स फैक्ट्री संचालित होती मिली। मौके से भारी मात्रा में ड्रग्स बनाने के उपकरण और अन्य केमिकल बरामद किए गए। इस कार्यवाही में मध्य प्रदेश की आगर और राजगढ़ पुलिस का विशेष सहयोग रहा।

इस पूरे ऑपरेशन में डीआरआई जयपुर के इनपुट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसपी अमित कुमार के अनुसार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 30 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि यह केमिकल कहां से सप्लाई हो रहा था और इसका नेटवर्क राजस्थान व मध्य प्रदेश के किन-किन हिस्सों में फैला है।

नींव खुदाई के दौरान मिली इंसानी हड्डियां

- पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

टोंक, (कासं)। निवाई के बापू नगर कॉलोनी में एक निर्माणाधीन प्लॉट की नींव खुदाई के दौरान इंसानी हड्डियां मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हड्डियों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तथा पुलिस ने मामले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला बुधवार को निवाई कस्बे के 80 फीट रोड स्थित बापू नगर कॉलोनी का है, जहां मजदूरों ने नींव की खुदाई के दौरान हड्डियां देखीं, जिसके बाद उन्होंने तत्काल काम रोक दिया और स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी दी।

बाद में सूचना मिलते ही निवाई थाना पुलिस के एएसआई राजेंद्र सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने निर्माणाधीन प्लॉट को सुरक्षित कर हड्डियों को उप जिला अस्पताल निवाई भिजवाया। पुलिस उपाधीक्षक रविप्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हड्डियां काफी पुरानी प्रतीत हो रही हैं, उनकी वास्तविक स्थिति और समय का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर वर्तमान में निर्माण कार्य चल रहा है, वह पहले चरागाह भूमि थी। बाद में निवाई नगरपालिका द्वारा इसे कॉलोनी के रूप में विकसित किया गया। पुलिस सभी पहलुओं पर गौर करते हुए जांच कर रही है।

अवैध अफीम व गांजे के पौधे जब्त

उदयपुर, (कासं)। भीण्डर थाना पुलिस ने खेत मे लगे अवेध अफीम व गांजे के पौधों को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। भीण्डर थानाधिकारी पूनाराम गुर्जर मय टीम ने सूचना के आधार पर भीखावनिया गांव में रामदेव तिराये से महेन्द्रसिंह पुत्र भेरूसिंह के चार टुकडी खेत से अवैध मादक पदार्थ गांजा की फसल के 10 बोरो हरे पौधे कुल 369.500 किलोग्राम एवं हरे पौधे 597.880 किलोग्राम अफीम की फसल के पौधे जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

चाकू मारकर छोटे भाई की हत्या

- बडा भाई, भाभी और भतीजी गिरफ्तार एक नाबालिग को किया डिटेन

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा थाना पुलिस ने छोटे भाई की हत्या के आरोप में बडे भाई, भाभी और भतीजी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया था। यह घटना 30 जनवरी को पाल कोलखंडा में हुई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पाल कोलखंडा निवासी हितेश परमार ने पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि हरीश परमार और उसके परिवार के सदस्यों ने मिलकर अपने छोटे भाई देवीलाल के पेट में चाकू घोंप दिया था। हमले में देवीलाल गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया था। आरोपियों ने हितेश परमार पर भी चाकू से हमला किया था। घायल देवीलाल को डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। दोवडा थाने के थानाधिकारी ने बताया कि जांच के बाद पुलिस ने बडे भाई हरीश परमार भाभी चंदू देवी परमार और भतीजी अंजना परमार को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी पाल कोलखंडा के निवासी हैं। इसके अतिरिक्त एक नाबालिग को भी इस मामले में डिटेन किया गया है।

खस्ताहाल महिला स्नानघर का भीण्डर क्लब ने बदला स्वरूप

भीण्डर क्लब की पहल के बाद बदला स्वरूप।

- मरम्मत, रंगरोगन व जलापूर्ति दुरुस्त, नगर पालिका का भी रहा सहयोग

भीण्डर, (निसं)। महिलाओं की गरिमा और सुविधा से जुड़ा एक सराहनीय उदाहरण भीण्डर नगर में देखने को मिला। एक माह पहले तक जिस सार्वजनिक महिला स्नानघर में जाने से महिलाएं असहज महसूस करती थीं, आज वही स्नानघर अपने बदले हुए स्वरूप के कारण प्रशंसा का केंद्र बन गया है। भीण्डर नगर के एकमात्र सार्वजनिक महिला स्नानघर की बदहाल स्थिति को भीण्डर क्लब ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए उसका स्वरूप बदल दिया है। भीण्डर क्लब की पहल और नगर पालिका के सहयोग से महिला स्नानघर में मरम्मत कार्य, व्यापक सफाई, रंगरोगन एवं जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया गया।

महिला स्नानघर में लंबे समय से गंदगी का अंबार और छज्जों पर मधुमक्खियों के छत्ते होने से उड़ती मक्खियों से महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ता था। नलकूप से आने वाले पानी की अनियमित सप्लाई और जर्जर दीवारों के कारण स्नान करना कठिन हो गया था। कई बार शिकायतों के बावजूद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा था।

समस्या को गंभीरता से लेते हुए भीण्डर क्लब संरक्षक कैलाश जांगिड़ ने पहल करते हुए सबसे पहले पूरे स्नानघर की गहन सफाई करवाई गई और मधुमक्खियों के छत्तों को सुरक्षित तरीके से हटाया गया। इसके बाद भवन की मरम्मत कर पूरे परिसर में रंगरोगन कराया गया, जिससे स्नानघर का स्वरूप पूरी तरह बदल गया। इसके साथ जलापूर्ति व्यवस्था के लिए भीण्डर क्लब द्वारा नगर पालिका पार्षद जितेन्द्र साहु को अवगत कराया।

इस पर पालिका के सहयोग से नई पानी की टंकी एवं आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए। भीण्डर क्लब द्वारा इन्हें स्थापित कर पूरे परिसर में नियमित और सुचारु जलापूर्ति शुरू की गई। इस अवसर पर भीण्डर क्लब संरक्षक चमन सोनी, पंकज वया, अध्यक्ष रत्नेश कोठारी, कोषाध्यक्ष शरद अठावाल, सचिव विकास चव्हाण, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राठौड़, पवन मंदावत, जितेन्द्र साहु, संदीप सामरिया आदि उपस्थित रहे।

धमका कर अवैध वसूली के मामले में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जिले की सुखेर थाना पुलिस ने डरा-धमका कर अवैध वसूली के मामले में कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर नारायण दास वैष्णव को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी रविन्द्र चारण के अनुसार यह हार्डकोर अपराधी दिलीप नाथ गिरोह का सदस्य है। उसके साथ मिलकर पूर्व में गंभीर घटना को अंजाम दे चुका है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में डराने-धमकाने, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित कई मामले दर्ज है। सुखेर निवासी अभय डांगी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें बताया था कि इंस्टाग्राम के जरिए उससे कई बार रूपयों की मांग की गई। रूपये नहीं देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई।

उल्लेखनीय है कि 5 माह पूर्व आरोपी नारायण दास को महिला वेश में घूमते हुए पकड़ा था। आरोपी पर 10 हजार रूपये का इनाम घोषित था। उस वक्त इसे जमीन मालिक को धमका कर 35 लाख रूपये की अवेध वसूली मामले मं गिरफ्तार किया गया था। हार्डकोर अपराधी दिलीपनाथ के साथ मिल कर इस घटना को अंजाम दिया था।

कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली बनी

- गुत्थी को सुलझाने के लिए उनके बर्तन-चद्दर, कपड़ों की भी जांच होगी, जिस कमरे में उनकी मौत हुई, वहां की मिट्टी से लेकर कंघा और बालों जैसे 33 अलग- नूमूने तक जुटाए गए हैं। साध्वी को जहर दिया गया था या नहीं? इसकी जांच के लिए विसरा का नमूना भी एस एफ एल की लैब में पहुंच गया है
- पुलिस की साइबर सैल इन मोबाइल का डिलीट रिकॉर्ड रिकवर कर रही है। इसके बाद इन्हें एफएसएल टीम को सौंपा जाएगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत पुलिस के लिए अभी रहस्य बनी हुई है। इस गुत्थी को सुलझाने के लिए उनके बर्तन-चद्दर, कपड़ों की भी जांच होगी। जिस कमरे में उनकी मौत हुई, वहां की मिट्टी से लेकर कंघा और बालों जैसे 33 अलग- नूमूने तक जुटाए गए हैं। साध्वी को जहर दिया गया था या नहीं? इसकी जांच के लिए विसरा का नमूना भी एस एफ एल की लैब में पहुंच गया है।

एफएसएल के सीनियर अधिकारी इन सैंपल की जांच में जुट गए हैं। करीब 7 दिन में एफएसएल अपनी रिपोर्ट को एसआईटी को देगी। इसके अलावा साध्वी प्रेम बाईसा, उनके पिता और सेवादार के मोबाइल का रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। 28 जनवरी को हुई कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत मामले में जिस तरीके से हर दिन नए मोड़ सामने आ रहे हैं, उस स्थिति में एफएसएल की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जोधपुर के बोरानाड़ा स्थित आरती नगर आश्रण से एफएसएल टीमों ने रविवार को एफएसएल सबूत जुटाने शुरू किए थे। इस केस के खुलासे के लिए दो तरीके से पर जांच हो रही है।

साध्वी प्रेम बाईसा, उनके पिता वीरमनाथ और सेवादार सुरेश का मोबाइल पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया था। पुलिस की साइबर सैल इन मोबाइल का डिलीट रिकॉर्ड रिकवर कर रही है। इसके बाद इन्हें एफएसएल टीम को सौंपा जाएगा।

साध्वी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के कुछ घंटों बाद ही सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर आया था। जिसमें कई तरह के आरोप लगाए गए थे। जांच के दौरान मोबाइल में मौजूद टेक्स्ट मैसेज और कथित सुसाइड नोट की भाषा और शब्दों की तुलना पहले पोस्ट किए गए मैसेज से होगी। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सुसाइड नोट साध्वी प्रेम बाईसा ने ही लिखा था या किसी ओर से लिख कर पोस्ट किया है।

साध्वी के शरीर के अंदरूनी अंगों का विसरा जुटाया गया है। विसरा जांच के बाद यह साफ हो सकेगा कि साध्वी प्रेम बाईसा के शरीर में किस प्रकार का पदार्थ (विषाक्त) गया, जिससे उनकी तबीयत इतनी खराब हुई कि मौत हो गई। अगर विसरा रिपोर्ट में जहर की पुष्टि होती है, तो पुलिस पूरे मामले की जांच आत्महत्या और हत्या के एंगल से करेगी। तब तक एफएसएल उन 33 नूमनों की भी जांच कर लेगी जो घटनास्थल से जुटाए गए हैं। उस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस पता लगाएगी कि साध्वी को जहर दिया गया या फिर खुद लिया था। अगर विसरा रिपोर्ट में किसी भी प्रकार के जहर की पुष्टि नहीं होती है तो ऐसी स्थिति में साध्वी के पिता वीरमनाथ और सेवादार सुरेश के पॉलीग्राफी टेस्ट कराए जा सकते हैं।

राजस्थान एफएसएल के डायरेक्टर डॉ. अजय शर्मा ने बताया कि पहली बार है, जब किसी संदिग्ध मौत की जांच के लिए इतने सैंपल लिए गए हैं। घटना के 5 दिन बाद एस आई टी दोबारा से साध्वी प्रेम बाईसा के कमरे में एफएसएल की टीम को लेकर गई। करीब 33 अलग-अलग चीजों के साक्ष्य लिए गए हैं। जिसमें साध्वी प्रेम बाईसा के वह बर्तन जिसमें उन्होंने खाना खाया। चादर जो उस दौरान बैड पर बिछी हुई थी।

College of Veterinary and Animal Science
Navania, Vallabhnagar, Udaipur (Rajasthan)

WALK - IN INTERVIEW

Eligible candidates are invited for Walk-in Interview for contractual engagement as Teaching Associates purely on temporary basis for a limited period at CVAS, Navania, Vallabhnagar, Udaipur. For interview schedule and other details, please visit University website www.rajuvas.org.

Raj.Samwad/C/25/19099 DEAN

Office of the Superintendent Engineering Watershed Development and Soil Conservation, Karauli

NOTICE INVITING BID
NIB No 36/2025-26 YEAR 2026

Bids for Anicut, Talab, Talai, ECD, Mpt, LSCD, ECD, Pakka check dam, PB, Recharge shaft, RTWHS, SSB, Talab Renovation e.t.c of PMKSY 2.0 Block - TODABHIM & KARAULI estimated value INR 170.30 Lacs (89.97+80.33) are invited from interested bidders up to 06:00 PM, 08-02-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).

NIB Code- WSC2526A1466,
UBN NO.- WSC2526WSRC02530, WSC2526WSRC02531

Superitending Engineer
watershed development and soil conservation Department, Karauli

DIPR/C/2009/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग धौलपुर

क्रमांक : सान्याअवि/2025/3232 दिनांक 28.01.2026

Notice Inviting Bid 02/2025-26

E- Bid for foam based orthopaedic mattresses for various government hostels operating under social justice and empowerment department dholpur are inviting from interested bidder upto 29/01/2026 10:00AM to 08/02/2026 05:00PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproce.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.gov.in) of the state; and social justice and empowerment department website. The approximate value of the procurement is RS. 13.70 Lakhs.

UBN no. SOC2526GLRC00365
NIB no. SOC2526A0335

जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, धौलपुर

DIPR/C/2008/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड धौलपुर
मचकुण्ड चौराहा जी०टी०रोड धौलपुर
फोन नं.: 05642-220728, ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 3377-84 दिनांक: 23.01.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 98 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यो की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकतें है।

एन.आई.बी.नं.	PHE2526A 5568
यू.बी.एन.	PHE2526WSOB 11450

(जीतेन्द्र लवानियां)
अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड धौलपुर

DIPR/C/1698/2026

कार्यालय भू-सम्पत्ति अधिकारी
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना संख्या 13 (2025-2026)

मुख्यालय का नाम	कार्यालय भू-सम्पत्ति अधिकारी, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
निविदा का कार्य	निर्माण कार्य
निविदाओं की कुल लागत	रु. 28.45 लाख
निविदा बेचने की अंतिम तारीख	06.02.2026 को सायं 1:00 बजे तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तारीख	07.02.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	07.02.2026 को दोपहर 2.30 बजे।

UBN : SKA2526WSOB00137 To SKA2526WSOB00143

आर.पी.डब्ल्यू.ए. 100 एवं Rajasthan Transparency in Public Procurement act 2012 की शर्तें लागू होंगी।

नोट :- निविदा से सम्बन्धित पूर्ण विवरण वेबसाईट www.raubikaner.org, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/19100 भू-सम्पति अधिकारी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत अजमेर
2025 International Year of Cooperatives
लोहाखान टेम्पो स्टेण्ड के पास, अजमेर
दूरभाष नम्बर 0145-2970165, E-Mail Address: seajmer@gmail.com

क्रमांक: अधी/नगर वृत/अजमेर/अंके-नलकूप/2025-26/11853-56 दिनांक : 30/1/2026

निविदा सूचना (NIB No. 12 & 13/2025-26)

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निविदा संख्या 12 व 13/2025-26 पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से ऑनलाईन सिस्टम ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाईट पर आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाओं की अनुमानित लागत राशि रूपये 260.00 लाख है। विस्तृत निविदा सूचना जन सम्पर्क निदेशालय की वेबसाईट पर तथा निविदा प्रपत्र वेबसाईट एस०पी०पी०पी०, राजस्थान तथा ई-प्रोक्यरमेंट वेबसाईट से दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 09.02.2026 को सायं 06:00 बजे तक डाउनलोड एवं इसी समय तक बिड प्रस्तुत की जा सकती है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 10.02.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे खोली जायेगी। उक्त निविदा सूचना का प्रकाशन वेबसाईट एस.पी.पी.पी पर निविदा संख्या 12 हेतु आई.डी कमांक PHE2526A5860 और यू.बी.एन PHE2526WSOB12348 तथा निविदा संख्या 13 हेतु आई.डी कमांक PHE2526A5849 और यू.बी.एन नम्बर PHE2526WSOB12322 से निविदा प्रपत्रों का प्रकाशन किया गया है।

(रामचन्द्र राड़)
अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
नगर वृत अजमेर

DIPR/C/1766/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, नगर खण्ड़ प्रथम कोटा

-: निविदा सूचना संख्या 16/2025-26:-
UBN Code: PHE2526WSOB11492

समुचित वर्ग के सूचीबद्ध सक्षम ठेकेदारों से विभाग के निम्न कार्य करने हेतु राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत पेयजल कार्यों से सम्बन्धित सेवाओं के उपापनों के सम्बन्ध में दिशा-निर्देशानुसार ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु नियमानुसार विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात् निविदा हेतु पात्र होंगे, निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं दो लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 02.02.2026 प्रातः 10:00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है। ऑनलाईन निविदाएँ इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 02.02.2026 से दिनांक 12.02.2026 तक सांय 6:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर उनके सम्मुख दिनांक 13.02.2026 को इस कार्यालय में दोपहर 2:00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्य दिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क / प्रक्रिया शुल्क निविदादाता द्वारा ऑन लाईन चालान द्वारा निविदा प्रपत्रो में वर्णन अनुसार इस कार्यालय में सभी निविदा प्राप्ति की दिनांक 13.02.2026 तक को दोपहर 01:00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है :-

1. www.dipronline.org
2. http://www.eproc.rajasthan.gov.in
3. http://sppp.rajasthan.gov.in

(अभिषेक मिश्रा)
अधिशाषी अभियंता
जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
नगर खण्ड़ प्रथम कोटा

DIPR/C/1749/2026 "जल ही जीवन है"

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ML01)/2026/ई - 14179

ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
चितोडगढ	निम्बाहेडा	गढवाडा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
डीग	सीकरी	बासबुर्जा	मेसेनरी स्टोन	4
सवाई माधोपुर	बजीरपुर	श्यारोली	मेसेनरी स्टोन	9
चितौड़गढ़	भदेसर	भालोट	मार्बल	6
झालावाड़	बकानी	बरखेड़ा कलां	मेसेनरी स्टोन	5
बाड़मेर	रामसर	भाचभर	मेसेनरी स्टोन	10
कोटा	चेचट	चेचट	लाइमस्टोन (डायमेन्शनल) व मेसेनरी स्टोन	3
जोधपुर	ओसियां	बैठवासियां	सैण्ड स्टोन	20
बून्दी	नैनवा	भीमगंज	रेड ऑकर, येला ऑकर व चायना क्ले	2
बाड़मेर	बाड़मेर	सुरा नरपतान	ग्रेनाइट	5
जोधपुर	बालेसर	खुडियाला	सैण्ड स्टोन	5
जोधपुर	बालेसर	दानसिंह नगर	सैण्ड स्टोन	7
जोधपुर	बालेसर	खुडियाला व दानसिंह नगर	सैण्ड स्टोन	1
जोधपुर	बावड़ी	कास्टी	सैण्ड स्टोन	10
			कुल प्लॉट	89

विशेष नोटः- 1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक

DIPR/C/1799/2026

राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लि.,
जी-1/138, मालवीय औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302017 फोन : 0141-2751417
E-mail- raj_coop_press@yahoo.co.in Website : www.thecooperativepress.com

क्रमांक/राटासमु/प्रशा/388-xii/2025-26/2655 दिनांक 05.02.2026

NIB Code: SML2526A0001 **निविदा सूचना** NIB Ref. No.: RRSM/Tender/2026-27

मुद्रणालय द्वारा वर्ष 2026-27 (31.03.2027 तक) की अवधि के लिये समय - समय पर आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की सामग्री क्रय / कार्य हेतु निम्नानुसार (टू बिड पद्धति द्वारा) निविदायें आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	विवरण	निविदा प्रक्रिया	अनुमानित राशि	बोली प्रतिभूति राशि	बिड शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	विभिन्न प्रकार के कागज का क्रय	ऑनलाईन	रू. 1800 लाख	रू. 36.00 लाख	रू. 1000	रू. 2500	25.02.2026
2	ऑफसेट मुद्रण कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 700 लाख	रू. 14.00 लाख	रू. 1000	रू. 2500	25.02.2026
3	फ्लेक्स विनायल, होर्डिंग, स्टेण्डी, सनबोर्ड डिजिटल वॉल पेंटिंग कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 200 लाख	रू. 4.00 लाख	रू. 1000	रू. 2000	25.02.2026
4	मुद्रित सामग्री के बंधन कार्य हेतु एमपेनलमेन्ट	ऑनलाईन	रू. 100 लाख	रू. 2.00 लाख	रू. 1000	रू. 1500	14.02.2026
5	ट्रांसपोर्टेशन कार्य	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
6	विभिन्न प्रकार के मिलमेड व हैण्डमेड फाईल कवर्स का क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
7	विभिन्न प्रकार के मुद्रित लिफाफे क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
8	मुद्रण सामग्री (प्लेट, केमिकल्स, फिल्म, स्याहियां आदि) क्रय	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
9	ओएमआर प्रिन्टिंग एवं बार कोड नम्बरिंग	ऑफलाईन	रू. 9 लाख	रू. 18 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
10	विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक कवर्स का क्रय	ऑफलाईन	रू. 5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
11	डीटीपी कम्पोजिंग, स्क्रीन प्रिन्टिंग, स्टीकर मेकिंग इत्यादि कार्य	ऑफलाईन	रू. 5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 500	शून्य	11.02.2026
12	रद्दी/कतरन इत्यादि विक्रय	ऑफलाईन	रू.5 लाख	रू. 10 हजार	रू. 200	शून्य	11.02.2026

1. ऑनलाईन निविदाओं हेतु बिड शुल्क रु. 1000/- राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लि., जयपुर के नाम एवं प्रोसेसिंग फीस रु. 2500/- (क्रम सं. 1व2) रु. 2000/- (क्रम सं. 3) एवं रु. 1500/- (क्रम सं. 4) MD RISL के नाम से डीडी जमा करवाना होगा।
2. बिड/निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण व शर्ते निविदा प्रपत्र में तथा वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं मुद्रणालय की वेबसाईट www.thecooperativepress.com पर उपलब्ध है। ऑनलाईन बिड / निविदा वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जानी है।
3. ऑफलाईन निविदाएं (क्र.सं. 5 से 12) हेतु बिड शुल्क जमा कराकर निविदा प्रपत्र मुद्रणालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदाएं निर्धारित अंतिम तिथि को सायं 5.00 बजे तक मुद्रणालय में प्रस्तुत की जा सकेंगी। जिनकी तकनीकी बिड दिनांक 12 एवं 13 फरवरी, 2026 को प्रातः 11.00 बजे से उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएंगी।
4. बिड/निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में ली जा सकती है।
5. सामग्री क्रय/कार्य वर्ष भर समय - समय पर मुद्रणालय की आवश्यकतानुसार करवाया जायेगा।
6. विलम्ब से प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

(मुरार सिंह जाड़ावत)
प्रबन्ध निदेशक

पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सदन में "गाली" निकाली

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने इस पर आपत्ति जताई तो सभापति ने अपशब्दों को सदन की कार्यवाही से हटवाया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। पूर्व यूडीएच मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने बुधवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सदन में "गाली" निकाल दी। जिस पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आपत्ति जताई, इसके बाद सभापति ने उनके द्वारा बोले गए अपशब्दों को सदन की कार्यवाही से बाहर निकलवाया।

दरअसल धारीवाल ने राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कहा था कि "अगर लाखों युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर रोजगार योग्य नहीं बनाया तो यह युवा आबादी चुनौती बन जाएगी।" उनके इस बयान के बीच सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना तंज कसते हुए कहा "इस देश में एक युवक को छोड़कर सबको रोजगार मिल गया।" इस दौरान गर्ग को जवाब देते हुए धारीवाल ने कहा, आपकी बात आधी समझ आती है....लेकिन आधी नहीं। इसी दौरान धारीवाल ने गर्ग को संबोधित करते हुए गाली निकाल दी।

धारीवाल की बात खत्म करने के बाद सरकारी मुख्य सचेतक ने खड़े होकर आपत्ति जतायी। उन्होंने कहा कि आदत के मुताबिक धारीवाल ने आज सदन में फिर गाली दी है, उसे सदन की कार्यवाही से हटाया जाए। जिस पर सभापति ने गाली को कार्यवाही से हटाने के आदेश दिए। ज्ञात रहे कि शांति धारीवाल पहले भी सदन मं गाली दे चुके हैं, उस वक्त भारी हंगामा हुआ था और उन्हें सदन से माफी मांगनी पड़ी थी।

- **इससे पूर्व धारीवाल ने प्रधानमंत्री कौशल योजना में 10 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया।**
- **उन्होंने सड़कों के मामले में पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी द्वारा सदन में दिए गए जवाब में भी झूठ बोलने के आरोप लगाए**

इससे पहले शांति धारीवाल ने जहां प्रधानमंत्री कौशल योजना में 10 हजार करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया। वहीं सड़कों के मामले को लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी पर भी सदन में झूठ बोलने के आरोप लगाए।

धारीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल योजना को लेकर सीएजी ने संसद में अपनी रिपोर्ट पेश की है जिसमें 10 हजार करोड़ के घोटाले की बात कही है।

रिपोर्ट में एक करोड़ 32 लाख में से 95 प्रतिशत लाभार्थी फर्जी पाए गए है। धारीवाल ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने अपने कार्यकर्ताओं से फर्जी स्किल सेंटर खुलवा दिए हैं, इसलिए घोटाला किया गया है। बैंक खातों का कोई विवरण नहीं है, फर्जी फोटो और फर्जी फिंगरप्रिंट और एक मोबाइल नंबर से लाखों लोगों को भुगतान किया गया है। धारीवाल ने कहा कि जिन युवाओं ने आपको सत्ता में बैठाया है, कल वही आपके लिए चुनौती बन सकते है।

हमारे कार्यकाल में 70 हजार किमी सड़कें बनीं

शांति धारीवाल ने कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री दीया कुमारी ने सदन में कहा है कि कांग्रेस के 5 साल के शासन में 13,160 किलोमीटर सड़कें बनी है, जबकि पीडब्ल्यूडी की एनुअल प्रोग्रेस रिपोर्ट जो 2024-25 में आई थी, उसमें पेज नंबर 12 पर लिखा है कि कांग्रेस के शासन में 70 हजार किलोमीटर से भी ज्यादा सड़कें बनाई गई है। धारीवाल ने कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री ने सदन में झूठ बोला है।

धारीवाल ने कहा कि भाजपा के 2 साल के शासन में 14,800 किलोमीटर की सड़क बनाने की बात कही गई है, जबकि हमारी सरकार के दो साल के शासन में ही 23 हजार 585 किलोमीटर सड़क बन चुकी है। यह भी पीडब्ल्यूडी की एनुअल प्रोग्रेस रिपोर्ट में लिखा हुआ है। इस तरह से झूठे भाषण सदन में नहीं देना चाहिए था।

नाम हटाने से विचारधारा खत्म नहीं होगी

धारीवाल ने कहा कि भाजपा की सरकार ने एक-एक करके हमारी सारी योजनाओं के नाम बदल दिए हैं और अपनी उपलब्धि बता रहे है। हमने जो योजनाएं शुरू की थीं, उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत थी, क्योंकि वो गरीबों, छात्रों और मजदूर किसानों के हित की योजनाएं थी। मनरेगा में ग्राम सभा का अधिकार केंद्र सरकार ने छीन लिया है।

शांति धारीवाल ने कहा कि नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी को दुनिया से हटाया, लेकिन केंद्र सरकार ने अहिंसा के आविष्कार करने वाले महात्मा गांधी का नाम ही योजनाओं से हटाना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि "महात्मा गांधी का नाम दुनिया की जबान, दुनिया के दिल और दुनिया के दिमाग से नहीं निकाल पाओगे। महात्मा गांधी की मूर्तियां 80 देशों में लगी हुई हैं, लाखों की तादाद में लोग उनके दर्शन करने आते है।"

ग्राम उत्थान शिविरों में अब तक 77 लाख प्रकरण निस्तारित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास धरातल पर हो रहे साकार

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीणों तक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों में अब तक आमजन की 77 लाख से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया है। अब 5 से 9 फरवरी तक ग्राम उत्थान शिविर का द्वितीय चरण शुरू किया जाएगा।

गत 23 जनवरी (बंसत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर इन शिविरों क शुरुआत की गई थी और इनसे किसान, पशुपालक, महिला एवं श्रमिक सहित विभिन्न वर्गों को एक ही छत के नीचे योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इससे प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी कम हुई है और आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्रामीण राजस्थान को गति मिली है।

इन शिविरों के तहत अब तक पूरे प्रदेश में एक हजार 512 शिविर लगाकर ग्रामीणों को राहत दी गई है। अब तक इन शिविरों में 13 लाख 91 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जिसमें 9 लाख 17 हजार पुरूष एवं 4 लाख 12 हजार महिलाएं शामिल हैं। प्रत्येक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

गिरदावर सर्किल पर आयोजित इन शिविरों में करीब 13 विभागों की विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

शिविरों में किसानों, पशुपालकों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। किसानों को 98 हजार 299 से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड और 55 हजार 886 स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया है। पशुपालकों के लिए भी इन शिविरों में अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं। इन शिविरों में

- **5 से 9 फरवरी तक ग्राम उत्थान शिविर का द्वितीय चरण होगा**

मंगला पशु योजना के तहत 92 हजार पशुपालकों का पंजीकरण किया गया तथा 5 लाख 11 हजार पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा और 77 हजार पशुओं का टीकाकरण किया गया है। शिविरों में पीएम सूर्य घर योजना के तहत 28 हजार 908 पंजीकरण तथा फार्मर रजिस्ट्री के 14 हजार 430 पंजीकरण किए गए हैं। शिविरों में फार्म पौंड, तारबंदी, पाईपलाइन के आवेदन, प्राथमिक डेयरी सहकारी समिति और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण का प्रचार-प्रसार, कृषि योजनाओं की जानकारी, मिनी किट वितरण का सत्यापन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, युवा स्वरोजगार योजना, ड्रिप, फव्वारा संयत्र, प्लास्टिक मल्च के आवेदन सहित डेयरी, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं के कार्य कराए जा रहे हैं।

"खेजड़ी बचाओ" आंदोलन का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

कांग्रेस विधायक डूंगरराम ने कहा कि "लाखों लोग महापड़ाव में बैठे है, 29 संत और 339 पुरूष आमरण अनशन पर हैं, इसके बावजूद राज्य सरकार ने किसी से वार्ता नहीं की।"

जयपुर (विसं)। विधानसभा में शून्यकाल में पर्ची के जरिए मामला उठाते हुए कांग्रेस विधायक डूंगर राम गेदर ने कहा कि प्रदेश में पर्यावरण बचाओ, खेजड़ी बचाओ समिति बिश्नोई समाज की अगुवाई में पिछले दो साल से बीकानेर में आंदोलनरत है, लेकिन खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई उसके बावजूद भी हो रही है। खेजड़ी राज्य वृक्ष है, इसे बचाने के लिए सख्त कानून बनाए जाने की जरूरत है। गेदर ने कहा कि सरकार को पता था इसके बावजूद आंदोलनकारियों से कोई बातचीत नहीं की।

लाखों लोग महापड़ाव में आए। आज तीसरे दिन भी 29 संत अन्न, जल त्याग कर आमरण अनशन पर बैठे हैं। करीब 339 पुरुष अन्न,जल त्याग कर बीकानेर में आमरण अनशन पर बैठे हैं। तीन धरनार्थियों की तबीयत खराब हो चुकी है, कोई सरकार का प्रतिनिधि वहां पर नहीं गया। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि साधु संत धरने पर बैठे हैं। सरकार की इतनी नैतिकता तो होनी चाहिए कि उनसे बातचीत करें। खेजड़ी राज्य वृक्ष नहीं देव वृक्ष भी है, लोग पूजते हैं। आप लोगों ने आंखें बंद कर रखी है। कांग्रेस विधायक डूंगरराम गेदर ने कहा कि 10 नवंबर 2024 को जब बिश्नोई समाज ने राष्ट्रीय स्तर पर खेजड़ी बचाने के लिए महापड़ाव डाला था। उस समय खींवसर का उपचुनाव था। सरकार को लगा कि खींवसर का चुनाव हार रहे हैं, इसलिए 9 नवंबर 2024 को कुचेरा में बिश्नोई समाज के साधु संतों के साथ मुख्यमंत्री की मीटिंग हुई। खेजड़ी पर सख्त कानून बनाने का आश्वासन दिया गया। चुनाव निकल गया, चुनाव जीत लिया, मुद्दे को जुमले की टोकरी में डाल दिया गया, कानून क्या बनाना था।विधायक डूंगरराम ने कहा कि, एक साल बाद संसदीय कार्य मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पेड़ काटने पर 100 रुपए के जुर्माने को बढ़ाकर 1000 रुपए कर दिया जाएगा। इसके अलावा वन विभाग की लकड़ी काटने पर जो 6 महीने की सजा थी, उसकी जगह मात्र 5000 रुपए जुर्माना कर दिया जाएगा, जिससे उद्योगपतियों को खेजड़ी काटने की और आसानी से परमिशन मिल गई। आप उद्योगपतियों के आगे इतना झुकते क्यों हैं?

- **नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी कहा कि "साधु संत धरने पर बैठे हैं, सरकार की इतनी नैतिकता तो होनी चाहिए कि उनसे बातचीत करें"**

डॉ. लीलाधर दोचानिया के कविता संग्रह का विमोचन कल

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सेवानिवृत उप निदेशक डॉ. लीलाधर दोचानिया के नव प्रकाशित कविता संग्रह "जिन्दगी मुस्कुराते रहे" का विमोचन शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होगा। विमोचन वरिष्ठ साहित्यकार और लेखक त्रिलोक चंद कौशिक करेंगे। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित साहित्य संगीत और चित्रकला के त्रिआयामी उत्सव पिंकफेस्ट के दौरान महाराष्ट्र के वरिष्ठ साहित्यकार मनीषा खटाते सहित विभिन्न स्थानों के अनेक लेखक भाग लेंगे। संयोजन सीमा वालिया करेंगी।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रति भारी उत्साह

जयपुर (कासं)। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रति लोगों में भारी उत्साह है। करीब 10 दिनों में ही 5 हजार से अधिक प्राप्त हुए हैं। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के एक लाख युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित करने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इसके तहत विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार सेक्टर में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा शत-प्रतिशत ब्याज का पुनर्भरण किया जाएगा। साथ ही, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी और सीजीटीएमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट) शुल्क के पुनर्भरण का भी प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 12 जनवरी को इस योजना का शुभारंभ किया था और 15 जनवरी को विभाग द्वारा गाइडलाइन जारी की गई थी।

- **10 दिनों में ही 5 हजार से अधिक लोगों ने किया आवेदन**
- **योजना में 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण**
- **50 हजार रुपये तक मार्जिन मनी का प्रावधान**

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया राज्य के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के प्रति युवाओं की बेहतर प्रतिक्रिया रही है। अब तक 5,089 लोगों ने आवेदन किया है, 22 जनवरी को आवेदन शुरू किए गए थे। जिला महाप्रबंधकों द्वारा इन आवेदनों की जांच कर ऋण स्वीकृति और वितरण के लिए शीघ्र ही बैंकों को अग्रेषित किए जाएंगे।

जयपुर जिले में सर्वाधिक 385 आवेदन

जयपुर जिले में सर्वाधिक 385 आवेदन प्राप्त हुए हैं। साथ ही, चूरू, बीकानेर, टोंक, और हनुमानगढ़ जिलों में 200 से अधिक आवेदन आए हैं। बूंदी, सीकर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, दौसा, डीडवाना कुचामन, बारां, झुंझुनूं, नागौर, भीलवाड़ा, अजमेर, झालावाड़, भरतपुर, बाड़मेर, सवाई माधोपुर, कोटा, करौली, पाली और अलवर जिले ऐसे हैं, जहां 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।ज्ञात रहे कि इस योजना में 8वीं से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 3.5 लाख रुपये एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 7.5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, अधिकतम 35 हजार रुपये की मार्जिन मनी भी दी जाएगी। स्नातक, आईटीआई और अधिक शैक्षिणक योग्यता वाले आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपये तथा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी भी दी जाएगी।

भजनलाल सरकार ने मजबूत की प्रदेश में महिला सुरक्षा : बेढ़म

जयपुर। राजस्थान 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र के दौरान बुधवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने प्रदेश में महिला अपराधों की स्थिति, कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। मंत्री बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है और अपराधों में कमी देखने को मिली है।

गृह राज्य मंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2019 में महिला अत्याचार के 41 हजार 155 प्रकरण दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2023 में यह संख्या 42 हजार 174 रही।

इसके बाद वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रभावी पुलिस कार्रवाई और संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था के कारण वर्ष 2024 में प्रकरण घटकर 37 हजार 700 रह गए तथा वर्ष 2025 में 37 हजार 981 प्रकरण दर्ज हुए।

उन्होंने कहा कि यह कमी पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, त्वरित अनुसंधान और सरकार की प्राथमिकताओं का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि अनुसंधान अधिकारियों को 60 दिवस की निर्धारित अवधि में जांच पूरी कर न्यायालय में पेश करने के निर्देश हैं।

'धौराला में रीको औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आवंटन कार्य अग्रिम चरण में है'

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि अलवर जिले की राजगढ़ तहसील के धौराला राजस्व गांव में रीको औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आंवटन का काम अग्रिम चरण में है।

कर्नल राठौड़ प्रश्नकाल में विधायक मांगेलाल मीना के पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उद्योगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भूमि उपलब्ध कराने के साथ उपयुक्त जमीनों को चिह्नित कर लैंड बैंक भी तैयार कर रही है, ताकि उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्हें समय पर भूमि उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्मणगढ़ में उपलब्ध भूमि प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र (एनसीजेड) में आने के कारण इसका उपयोग उद्योगों के लिए नहीं हो सकता है। उन्होंने बताया कि राजगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में कुल 114 प्लॉट उपलब्ध हैं, इनमें 110 प्लॉट आवंटित तथा 4 रिक्त हैं। इस क्षेत्र में कुल 40 एकड़ भूमि उपलब्ध है, जिसमें से 25 एकड़ उद्योगों तथा शेष भूमि सार्वजनिक उपयोग के लिए निर्धारित है। उन्होंने बताया कि राजगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में डोलोमाइट प्रोसेसिंग से जुड़े उद्योग स्थापित हैं। खनन प्रतिबंधों के कारण इन उद्योगों की गतिविधियाँ प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध रिक्त भूखण्डों को देखते हुए राजगढ़ औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार की आवश्यकता वर्तमान में नहीं है। इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के लिए राजस्व गांव धौराला में 27.68 हैक्टेयर भूमि व लक्ष्मणगढ़ उपखंड के ग्राम मुण्डजोडी में 27.37 हैक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। धौराला राजस्व गांव की चिह्नित भूमि आवंटन के लिए जिला कलक्टर व राजस्व विभाग को समय-समय पर लिखा गया है।

- **उद्योग मंत्री ने कर्नल राठौड़ सदन में बताया कि "राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भूमि उपलब्ध कराने के साथ उपयुक्त जमीनों को चिह्नित कर लैंड बैंक भी तैयार कर रही है, ताकि भविष्य में उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्हें समय पर भूमि उपलब्ध कराई जा सके।"**

'आदिवासी क्षेत्रों में ऐसा पोषाहार दे रहे, जिन्हें कुत्तें भी नहीं खाए'

जयपुर (विसं)। राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रस विधायक रमिला खड़िया ने जनजाति मंत्री पर आरोप लगाते हुए तंज कसे। मां बाड़ी केंद्रों पर 4-4 महीने से पोषाहार नहीं आ रहा।

जो पोषाहार आ रहा है, जो एक रुपए के बिस्किट का पैकेट आ रहा है, उसको कुत्ते भी नहीं खा रहे हैं। ऐसा पोषाहार पहुंच रहा है, जो कुत्ते भी नहीं खाए, आप चेक करो। आप मंत्री हो, चेक क्यों नहीं करते हैं। इस पर टीएडी मंत्री ने कहा कि आपकी अध्यक्षता में ही कमेटी बना देता हूं। इससे पहले उन्होंने कहा कि टीएसपी क्षेत्र में टीएसपी के लोग लगने चाहिए, लेकिन आपने जनरल को लगा दिया। मंत्री ने अपने रिश्तेदारों के कहने पर टीएसपी क्षेत्र में नौकरी लगा दी। गत 3-4 महीने से शिक्षकों को पेमेंट नहीं मिल रहा है। मंत्रीजी, चेक करके देखो।

थाईलैंड की राजकुमारी 6 से 10 फरवरी तक रहेंगी राजस्थान प्रवास पर

मुख्य सचिव ने की रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर चवनार्ट थांगसुमफैंट के साथ तैयारियों की समीक्षा

जयपुर (कासं)। थाईलैंड की राजकुमारी प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना राजकन्या 6 से 10 फरवरी तक राजस्थान प्रवास पर रहेंगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने उनकी यात्रा प्रवास को लेकर बुधवार को शासन सचिवालय में रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर चवनार्ट थांगसुमफैंट सहित थाई एम्बेसी और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान की पूरे विश्व में अतिथि देवो भव: की परंपरा की अपनी अनूठी पहचान है। ऐसे में प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना राजकन्या की मेहमान नवाजी का अवसर मिलना राज्य के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि थाई राजकुमारी का यह दौरा भारत-थाईलैंड संबंधों में और अधिक गहरे सामरिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को प्रोत्साहित करेगा।

मुख्य सचिव ने प्रिंसेस की यात्रा के दौरान पुलिस तैयारियों, सुरक्षा इंतजामों, यातायात व्यवस्था, प्रोटोकॉल, संबंधी समस्त पहलूओं की विस्तृत समीक्षा की। प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना राजकन्या अपने प्रवास के दौरान जयपुर एवं जोधपुर का भ्रमण करेंगी। जयपुर में वे आमेर किला, हवामहल, सिटी पैलेस, त्रिपोलिया बाजार सहित अन्य प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन करेंगी। इसके पश्चात जोधपुर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, जसवंत थड़ा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण प्रस्तावित है। इस दौरान उन्हें राजस्थान की समृद्ध हस्तशिल्प कला, शिल्पकला, संस्कृति, विरासत एवं पारंपरिक आतिथ्य से भी अवगत कराया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग नवीन जैन, महानिदेशक पुलिस, (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल, जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम, आयुक्त पर्यटन विभाग रूक्मणि रियार, जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के साथ थाई एम्बेसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने थाईलैंड की राजकुमार के राजस्थान यात्रा प्रवास को लेकर बुधवार को सचिवालय में बैठक ली। उन्होंने रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर चवनार्ट थांगसुमफैंट सहित थाई एम्बेसी और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ तैयारियों पर चर्चा की।

इनके साथ ही पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, जोधपुर संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जोधपुर कलेक्टर गौरव गोयल, जोधपुर पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

आवासहीन परिवारों की संख्या के सवाल पर मंत्री खर्रा और सुभाष गर्ग के बीच नोंकझोंक

दरअसल प्रश्नकाल में आर.एल.डी. विधायक सुभाष गर्ग ने आवासहीन परिवारों की संख्या पूछी थी, लेकिन यू.डी.एच. मंत्री खर्रा पीएम आवास योजना को लेकर जवाब देने लगे थे

जयपुर (विसं)। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी सदन में विपक्ष के सवालों में उलझकर रह गए। प्रश्नकाल के दौरान विवाद की शुरुआत आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग के सवाल से हुई। गर्ग ने भरतपुर में आवासहीन परिवारों की संख्या और पीएम आवास योजना के पात्र परिवारों पर सवाल पूछा था। सही जवाब नहीं मिलने पर विधायक सुभाष गर्ग ने आपत्ति जताई। जिस पर दोनों के बीच करीब 15 मिनट तक बहस और नोंकझोंक होत रही।

मंत्री खर्रा के जवाब से असंतुष्ट सुभाष गर्ग ने कहा कि पहले आवासहीन परिवारों की संख्या बताइए। जिस पर मंत्री खर्रा, पीएम आवास योजना की पात्रता की शर्तें बताने लगे। उनके जवाब पर गर्ग ने आपत्ति करते हुए कहा कि होमलेस पॉलिसी-2022 में आवासहीन परिवारों के सर्वे करने का प्रावधान है या नहीं। मैंने तो इस पर जवाब मांगा था। मैं तो हां-ना में जवाब मांग रहा हूं।

- **इस बीच अन्य मंत्रियों ने मंत्री के पक्ष में जवाब देने की कोशिश की तो नेता प्रतिपक्ष ने भी आपत्ति जताई**

जिस पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भरतपुर में पीएम आवास योजना के 80 फीसदी पूरे हो चुके है। गर्ग ने कहा कि, भूमिहीन परिवारों की संख्या पर सवाल किया है। जिनके पास भूमि ही नहीं है वो आावासहीन कैसे होगा? आवासहीन तो उस दिन होगा जिस दिन भूमि होगी। जिसके पास जमीन नहीं है, वो तो बेघर कहलाएगा। आवासहीन नहीं। जिसके पास रहने का ठौर नहीं, वो बेघर है। जिसके पास मकान नहीं है, लेकिन जमीन है वो आवासहीन कहलाएगा।

इस बात को लेकर दोनों के बीच काफी देर तक नोंकझोंक होती रही। यूडीएच मंत्री ने कहा कि भूमिहीन परिवारों की संख्या चाही है तो कलेक्टर से रिपोर्ट मंगवाकर दे देंगे।

इसी बीच नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने यूडीएच मंत्री के जवाब के बीच दो मंत्रियों के खड़े होने पर तंज कसते हुए कहा कि यहां एडवोकेट की जरूरत नहीं होती।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि आप साल पूछिए भाषण देने का अधिकार नहीं है। जूली ने कहा सच्चाई बता दी तो कह रहे हैं, भाषण दे रहे हैं। जूली ने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जल्दीबाजी कर गए। उन्होंने आवासहीन का सवाल पूछा था, सदस्य ने गलती कर दी कि होमलेस पॉलिसी पर पूछ लिया। इन्होंने आवासहीन समझ लिया बात एक ही है। सवाल इतना सा है कि जिनके पास मकान नहीं है मकान कब तक दोगे?

जवाब गलत आया इसलिए कहा कि 2022 में जब होमलेस पॉलिसी आ गई, तो उसका मापदंड पूछे थे। संसदीय कार्य मंत्री ने खुद को ज्यादा काबिल साबित करने के चक्कर में मंत्रीजी को और मरवा दिया।

सरकारी विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत की मांग को लेकर कोटा में प्रदर्शन

दंडवत कर हेलमेट पहनकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

- प्रदेश के 90 प्रतिशत विद्यालयों को मरम्मत की आवश्यकता है। खतरा होने के कारण विद्यालय भवन के बाहर कक्षाएं संचालित की जा रही है। कुछ दिनों पूर्व झालावाड़ में जर्जर विद्यालय में हुए हादसे से भी सरकार ने सबक नहीं लिया
- युवा कांग्रेस द्वारा अभियान चलाकर आंदोलन किया जाएगा

कोटा में सरकारी विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत करवाने की मांग को लेकर युवा कांग्रेस ने हेलमेट पहनकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा ।

कोटा, (निसं)। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत करवाने की मांग को लेकर एवं जिस प्रकार छात्र-छात्राओं को खतरे के कारण विद्यालयों के बाहर शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है।

हालात यह है कि भवनों के अंदर हेलमेट पहनना पड़ रहा है। इसके विरोध में राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव यश गौतम के नेतृत्व में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हेलमेट पहनकर दंडवत कर कलेक्टर पीयूष सामरिया को ज्ञापन सौंपा एवं मरम्मत करवाने की मांग की। यश गौतम ने बताया कि जहां एक ओर सरकार शिक्षा को लेकर बड़े-बड़े वादे कर रही है वहीं दूसरी ओर जर्जर भवन छात्र छात्राओं के जीवन के लिए बड़ा खतरा बने हुए है।

प्रदेश के 90 प्रतिशत विद्यालयों को मरम्मत की आवश्यकता है। खतरा होने के कारण विद्यालय भवन के बाहर कक्षाएं संचालित की जा रही है। कुछ दिनों पूर्व झालावाड़ में जर्जर विद्यालय में हुए हादसे से भी सरकार ने सबक नहीं लिया है।

इन छात्र-छात्राओं के जीवन की सुरक्षा करना सरकार का दायित्व है लेकिन सरकार अपनी आँखें बंद किए बैठे है। यह उनके जीवन के साथ बड़ी लापरवाही है। इसे लेकर हाई कोर्ट ने भी सख्त टिप्पणी की है। डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद केंद्र से विद्यालयों की मरम्मत के लिए बजट ना आना सरकार के दोहरे चरित्र को दर्शाता है। छात्र-छात्राएं हेलमेट पहनकर अध्ययन करने को मजबूर है। इसी के विरोध में हेलमेट पहनकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा एवं विद्यालयों में अध्ययन कर रहे छात्र छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विद्यालयों के जर्जर भवन की मरम्मत करवाने की मांग की हैं।

भवनों की यही दुर्दशा रहती है तो युवा कांग्रेस द्वारा इसके खिलाफ अभियान चलाकर बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से प्रदेश सचिव मयंक चतुर्वेदी, महमूद खान, दिनेश लोधा, लखन वर्मा, सुनील कुमार, रक्षक मालवीय, पुष्पेंद्र हाड़ा, नरेंद्र सुमन एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सचिन पायलट ने पूर्व मंत्री भडाणा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया नमन

- पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, गुर्जर नेता विजय बेसला सहित वरिष्ठ नेता किशनगढ़ बास के गांव बघेरी कला में भाजपा के नेता एवं पूर्व मंत्री हेमसिह भडाणा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे

किशनगढ़ बास,(निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, गुर्जर नेता विजय बेसला सहित वरिष्ठ नेता किशनगढ़ बास के गांव बघेरी कला में भाजपा के नेता एवं पूर्व मंत्री हेमसिह भडाणा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे।

बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विजय बेसला, पूर्व विधायक रामहेत यादव ने दिवंगत भाजपा नेता हेमसिह भडाणा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी वहीं सचिन पायलट मंगलवार को देर रात करीब 9 बजे बघेरी कला संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस नेता सचिन पायलट के साथ सांसद मुरारीलाल मीणा, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता चंद्रभान भडाणा, विधायक मनीष यादव, पूर्व विधायक जी.आर. खटाना, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, कांग्रेस अध्यक्ष बलराम यादव, नवीन खैरिया, पूर्व प्रधान दयाराम चावड़ा भी शोक व्यक्त करने भडाणा के निवास पर पहुंचे थे।

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, विजय बेसला, पूर्व विधायक रामहेत यादव व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट सहित कांग्रेस नेताओं ने परिजनों का ढांढस बंधाया और कहा हेमसिह भडाणा जन जन के लोकप्रिय नेता के साथ सच्चे जनसेवक थे। हमेशा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाते थे।

गुर्जर नेता विजय बैंसला ने हेमसिह भडाणा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे समाज और राजनीति दोनों के लिए अपूरणीय क्षित बताया। उन्होंने कहा कि हेमसिंह भड़ाणा एक विराट व्यक्तित्व के धनी थे और गुर्जर समाज की सशक्त आवाज के रूप में हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे।

बिना सजा के छह साल से जेल में आरोपी, हाइकोर्ट ने जताई चिंता

- सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए दावा किया गया कि ट्रायल में देरी आरोपी की वजह से है। वह चार्ज फ्रेमिंग पर दलीलें देने के लिए 60 बार से अधिक सुनवाई स्थगित करवा चुका है। आरोपी के खिलाफ 38 अन्य मामले दर्ज हैं, और यह करोड़ों के घोटाले का केस है, इसलिए गंभीरता को देखते हुए जमानत ना दी जाए

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिना सजा के ही आरोपी को 6 साल से अधिक समय जेल में रखने पर गहरी नाराजगी जताते हुए इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन करार दिया।

जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के पूर्व चेयरमैन शैतान सिंह को जमानत देते हुए कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि जब न्यायिक प्रक्रिया खुद दंड देने का रूप धारण कर ले, तो यह कानून के राज के लिए बेहद खतरनाक संदेश है।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव सुराणा ने बहस में बताया कि आरोपी के खिलाफ दर्ज धाराओं में अधिकतम 7 साल की सजा का प्रावधान है। वह 20 सितंबर 2019 से यानी 6 साल 4 महीने से जेल में है। एसओजी ने 2020 में जांच पूरी कर ली, लेकिन उसके पास से कोई वसूली नहीं हुई। मामले में सह-आरोपी देवी सिंह समेत 12 अन्य को पहले ही जमानत मिल चुकी है। सबसे बड़ी बात, ट्रायल शुरू होने से पहले चार्ज फ्रेम ही नहीं हुए हैं, ऐसे में मुकदमा लंबा खिंचेगा।

सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए दावा किया गया कि ट्रायल में देरी आरोपी की वजह से है। वह चार्ज फ्रेमिंग पर दलीलें देने के लिए 60 बार से अधिक सुनवाई स्थगित करवा चुका है। आरोपी के खिलाफ 38 अन्य मामले दर्ज हैं, और यह करोड़ों के घोटाले का केस है, इसलिए गंभीरता को देखते हुए जमानत ना दी जाए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने इसे न्याय व्यवस्था की पूर्ण विफलता बताते हुए चिंता जताई। न्यायमूर्ति ने कहा कि कोई आरोपी तब तक अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक उसका अपराध कानूनी रूप से सिद्ध ना हो। सालों जेल में रखना सजा देने जैसा है, जो संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। देरी का ठीकरा सिर्फ आरोपी के सिर नहीं फोड़ा जा सकता, खासकर जब अभियोजन पक्ष खुद तत्परता नहीं दिखा रहा।

जोधपुर में नाबालिग की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

- नाबालिग की मां अपने पूर्व पति को छोडक़र अलग रहने लग गई थी। नाबालिग भी मां के साथ ही थी। ऐसे में नाबालिग की मौत के बाद पूर्व पति ने आरोप लगाया कि उसकी हत्या की गई हैं
- श्मशान घाट पर सात घंटे तक पड़ा रहा शव, पोस्टमार्टम के बाद हुआ अंतिम संस्कार

जोधपुर, (कासं)। जिले के बोरुंदा कस्बे में 17 साल की नाबालिग लडक़ी की मौत के बाद परिजनों के बीच विवाद हो गया। इसके चलते श्मशान घाट पर करीब सात घंटे तक शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका। शक और आपत्ति के चलते पुलिस को बीच में आना पड़ा और शव को बोरुंदा राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। इसके बाद सीएमएचओ के आदेश पर गठित मेडिकल बोर्ड से आज पोस्टमार्टम करवाया गया। बाद में दोनों पक्षों की रजामंदी से अंतिम संस्कार किया गया।

बता दें कि नाबालिग की मां अपने पूर्व पति को छोडक़र अलग रहने लग गई थी। नाबालिग भी मां के साथ ही थी। ऐसे में नाबालिग की मौत के बाद पूर्व पति ने आरोप लगाया कि उसकी हत्या की गई है। थानाधिकारी सुजानाराम विश्नोई ने बताया कि गत तीन फरवरी को महिला पुलिस थाना बालोतरा के माध्यम से सूचना मिली कि बालोतरा निवासी प्रियंका पुत्री अशोक कुमार लखारा की मृत्यु को लेकर उसके एक पक्ष के परिजनों को संदेह है और वे अंतिम संस्कार पर आपत्ति जता रहे हैं। सूचना मिलते ही बोरुंदा पुलिस मौके पर पहुंची और अंतिम संस्कार रुकवाया। उस समय युवती का अंतिम संस्कार उसके नाते आए परिवार द्वारा किया जा रहा था, जिसमें सौतेला पिता प्रवीण लखारा, माता बसंती देवी, दादा चंपालाल, चाचा नरपत सहित करीब ग्रामीण मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि बाड़मेर निवासी मुकेश लखारा, मीरा देवी, अशोक लखारा (मृतक के पिता), कमल किशोर व कनका देवी सहित अन्य परिजनों ने मृत्यु को संदिग्ध बताते हुए अंतिम संस्कार पर रोक लगाई और मौके पर पहुंचे।

वर्तमान परिजनों के मुताबिक लडक़ी कुछ समय से बीमार थी, जिसका जोधपुर में इलाज चल रहा था। दो फरवरी रात करीब 8.30 बजे मथुरादास माथुर अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

बोरुंदा पक्ष का कहना है कि डॉक्टरों ने किडनी फेलियर को मौत की वजह बताया लेकिन पिता अशोक कुमार की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवाया। विवाद को देखते हुए सीएमएचओ के निर्देश पर मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया।

एक किलो अफीम जब्त

कोटा, (निसं)। कनवास पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्यवाही करते हुए एक कार से 13 किलो 820 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चुरा एवं 1 किलो 079 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम को जप्त कर दो तस्करों को गिरफतार किया है। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये मादक पदार्थ की अन्तर्राष्टीय बाजार में कीमत 7 लाख 46 हजार 800 रूपये करीब है।

घर में घुसकर चोरी करने वालें तीन आरोपी गिरफ्तार

- चोरों ने मकान में दबिश देकर सोने चांदी के जेवर सहित दो लाख रुपए नगदी किए थे पार

सादुलपुर, (निसं)। निकटवर्ती गांव जयपुरिया पट्टा गांव में गत एक महापूर्व लगभग हुई चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया है। बुधवार शाम छः बजे मिली जानकारी में थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि मामले में आरोपी गुरप्रीत उर्फ गुरी बावरी उम्र 24 साल निवासी बावरीया वाली ढाणी तहसील पीलीबंगा पुलिस थाना हनुमानगढ तथा नानकराम उर्फ अमन कुमार बावरी उम्र 26 साल निवासी हरनामें वाली ढाणी तहसील सूरतगढ श्रीगंगानगर एवं काका सिंह बावरी (22) निवासी गीदड खेडा तहसील डब्बावाली पुलिस जिला सिरसा हरियाणा को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां न्यायाधीश ने पूछताछ के लिए तीन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर मामले में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ-साथ चोरी का सामान बरामद करने की कार्रवाई करेंगे।

महावीर सिंह ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 26 दिसंबर 2०25 की रात्रि वह खाना खाकर अपने घर में सो रहा था। रात्रि करीब 3 से 4 बजे के बीच अज्ञात चोर उसके घर में घुस आए और घर में रखी एक पेटी चोरी कर ले गए। चोरी गई पेटी में दो जोडी चांदी की पाजेब, दो सोने की अंगूठियां, दो सोने सोने की नाक की बालियां, दो चांदी की अंगूठियां, एक चांदी की गंठी ओर नकद ०2 लाख 1० हजार रुपये रखे हुए थे। पीडित ने दर्ज मामले में बताया कि 27 दिसंबर 2०25 की सुबह करीब ०5 बजे उसे रेलवे लाइन के पास वही पेटी खाली अवस्था में मिली, जिसका ताला टूटा हुआ था और कपडे बिखरे पडे थे, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

बाईक सवार बदमाशों ने की फायरिंग

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में मंगलवार देर रात्रि को इलाके में स्थित चाय की दुकान पर बैठे युवक पर बाईक सवार बदमाशो ने फायरिंग कर दी, गनीमत रही की गोली युवक के पेट को छुकर निकल गई और युवक बाल-बाल बच गया। अचानक हुए घटनाक्रम से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मौके पर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया और हमलावरों की तलाश के लिये शहर में नाकाबंदी की। उघोग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि मंगलवार देर रात्रि को इलाके के कैथून रोड़ पर स्थित एक चाय की दुकान पर रायपुरा निवासी अंकित चंदेल बैठा हुआ था, तभी बाईक पर सवार आये बदमाशों ने अचानक से अंकित पर फॉयर कर दिया।

विपक्ष देख रहा मुंगेरीलाल के सपने : केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह

- जोधपुर दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर जमकर पलटवार किया

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब आर्थिक महाशक्ति बनने की उस दहलीज पर खड़ा है, जहां से पीछे मुडक़र देखना नामुमकिन है। शेखावत ने यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के साथ हुए समझौतों पर बड़ा बयान देते हुए इसे मदर ऑफ ऑल डील्स बताया।

जोधपुर दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर जमकर पलटवार किया। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष अभी अंधेरे में तीर चला रहा है। वह मुंगेरीलाल के सपने देख रहा है। जब डील का मसौदा ही सामने नहीं आया, तो आरोप किस बात के?

शेखावत ने कहा कि विपक्ष का विरोध सिर्फ दीवा स्वप्न जैसा है। अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए विपक्ष झूठ का पहाड़ खड़ा करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन जनता हकीकत जानती है। शेखावत ने केंद्र सरकार के बजट और अमेरिका के साथ हुई ऐतिहासिक ट्रेड डील को भारत के लिए गेमचेंजर करार दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अब भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी धाक जमाई है, उससे देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में क्रांति आने वाली है। यह सिर्फ एक समझौता नहीं है, बल्कि भारत के एक्सपोर्ट (निर्यात) के लिए वह खुला आसमान है जिसकी कल्पना पहले कभी नहीं की गई थी। शेखावत के मुताबिक, इन डील्स से भारत में रोजगार और निवेश की बाढ़ आने वाली है।

बजट को देश का भविष्य बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह मोदी सरकार का 11 साल में 12वां बजट है, जो सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 2047 के विकसित भारत का रोडमैप है।

आरोपी डिटेन

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने हतया के प्रयास में तीन वर्ष से फरार इनामी अभियुक्त को डिटेन किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश प अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा,पुलिस उप ाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने प्रकरण संख्या 196/2023 धारा 307,326,34 भादस में वांछित विधी से संघर्षरत बालक को पालनपुर गुजरात से डिटेन किया गया।

शिक्षा विभाग का कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार

ऑडिट में पकडी गई 15.21 लाख की गड़बड़

- विभाग ने आरोपी को राशि जमा कराने का नोटिस दिया, जिसके जवाब में उसने 5 लाख और 10.21 लाख रुपए के दो चेक दिए थे

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की धम्बोला थाना पुलिस ने सीमलवाडा ब्लॉक के सीबीईओ कार्यालय के तत्कालीन कनिष्ठ सहायक को गिरफ्तार किया है। उस पर 15 लाख 21 हजार 549 रुपए के गबन का आरोप है। यह मामला ऑडिट के दौरान सामने आया था। वर्तमान ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण कुमार डामोर ने धम्बोला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट के अनुसार तत्कालीन कनिष्ठ सहायक और कैशियर अनिल लौहार ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए सरकारी धन में हेराफेरी की। आरोपी वर्ष 2008 से 2016 के बीच कैशियर के पद पर कार्यरत था। अनिल लौहार पर सरकारी 15 लाख 21 हजार 549 रुपए की राशि का गबन करने का आरोप है। गबन का खुलासा ऑडिट और भौतिक सत्यापन के दौरान हुआ था। विभाग ने आरोपी को राशि जमा कराने का नोटिस दिया, जिसके जवाब में उसने 5 लाख और 10.21 लाख रुपए के दो चेक दिए थे।

हालांकि,बैंक में पर्याप्त राशि न होने के कारण ये चेक बाउंस हो गए। विभाग की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इसी मामले में पुलिस ने आज निलंबित चल रहे तत्कालीन कनिष्ठ सहायक अनिल लौहार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे आगे की पूछताछ कर रही है।

रतनपुर बॉर्डर पर कंटेनर से 5.50 लाख की शराब जब्त

- ड्राइवर की सीट के ऊपर गुप्त केबिन में छुपा रखी थी,ड्राइवर गिरफ्तार

बिछीवाडा थाना पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर से 5.50 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की।

डूंगरपुर। जिले की बिछीवाडा थाना पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर से 5.50 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने कंटेनर ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन स्वच्छता के तहत की गई।

बिछीवाडा थाने के सीआई ने बताया कि एसपी के निर्देश पर अवैध शराब और अन्य मादक पदार्थो की तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत बिछीवाडा थाना पुलिस राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकेबंदी कर रही थी। नाकेबंदी के दौरान पुलिस को मुखबिर से अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली। सूचना के आधार परए पुलिस ने उदयपुर की ओर से आ रहे एक कंटेनर को रुकवाया और उसकी तलाशी ली। कंटेनर के अंदर चोको फ्लेक्स और कॉर्न फ्लेक्स भरे हुए थे। मुखबिर की सूचना पुख्ता होने के कारण पुलिस ने कंटेनर की गहन तलाशी ली। इस दौरान कंटेनर के केबिन में ड्राइवर की सीट के ऊपर एक गुप्त केबिन बना हुआ मिला, जिसमें हरियाणा निर्मित शराब के कार्टन भरे हुए थे। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कंटेनर को जब्त कर लिया और उत्तर प्रदेश निवासी ड्राइवर निजाम खान को गिरफ्तार किया। कंटेनर से शराब के 44 कार्टन बरामद हुए,जिनकी बाजार कीमत लगभग 5 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस चालक से आगे की पूछताछ कर रही है।

आनासागर वेटलैंड क्षेत्र में सीजिंग की कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला निरस्त

अजमेर, (कासं)। आनासागर वेटलैंड क्षेत्र में अवैध निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा की गई सीजिंग की कार्रवाई को सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ठहराया है। सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान उच्च न्यायालय के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें प्राधिकरण को संपत्ति की सीज खोलने के निर्देश दिए गए थे। इस निर्णय से एडीए प्रशासन को बड़ी राहत मिली है और वेटलैंड क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पर लगाम कसने का रास्ता साफ हो गया है।

मामला आनासागर झील के निकट स्थित भूमि से जुड़ा है, जहाँ 'जय टील कंसलटेंट' द्वारा बिना भू-उपयोग परिवर्तन कराए और बिना मानचित्र स्वीकृति के बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक निर्माण कर व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। इन अनियमितताओं को देखते हुए एडीए ने 15 जुलाई 2025 को नोटिस जारी कर संपत्ति को सीज करने की कार्रवाई की थी।

हाईकोर्ट का आदेश और अवमानना का तर्क - इस सीजिंग के खिलाफ संबंधित फर्म ने राजस्थान उच्च न्यायालय (जयपुर पीठ) में अवमानना याचिका (696/2024) दायर की थी। याचिकाकर्ता का तर्क था कि वर्ष 2012 के एक अंतरिम आदेश के अनुसार, उन्हें बिना न्यायालय की अनुमति के भूमि से बेदखल नहीं किया जा सकता था। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने 18 सितंबर 2025 को सीज खोलने का आदेश जारी किया था।

हाईकोर्ट के आदेश के विरुद्ध एडीए ने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की। प्राधिकरण की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बलबीर सिंह और अजय सिंह ने पैरवी करते हुए स्पष्ट किया कि 2012 का आदेश केवल 'बेदखली' रोकने से संबंधित था, न कि अवैध निर्माण को संरक्षण देने के लिए। एडीए ने तर्क दिया कि बिना अनुमति के किए गए अवैध निर्माण को सीज करना प्राधिकरण का वैधानिक अधिकार है।

एक करोड़ की अवैध शराब मय ट्रक जब्त, आरोपी गिरपतार

ट्रक में पंजाब निर्मित अवैध शराब के आठ सौ कार्टन जब्त कर एक तस्कर को गिरपतार किया

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट मंडार पुलिस ने बुधवार को ट्रक में पंजाब निर्मित अवैध शराब के आठ सौ कार्टन जब्त कर एक तस्कर को गिरपतार किया। जब्तशुदा शराब व ट्रक की बाजार कीमत करीब एक करोड बीस लाख रूपये आंकी गई है ।

सिरोही पुलिस ने पिछले 6 महिनों में अवैध शराब तस्करी के विरूद्ध कुल 28 बडी कार्यवाहियां कर कुल 6680 कार्टन अवैध शराब सहित कुल 16 ट्रक व 12 छोटे वाहन जब्त किए ।

मंडार थानाधिकारी प्रवीणकुमार आचार्य के नेतृत्व में मंगलवार मध्यरात्रि को शराब तस्करी के विरुद्ध बडी कार्यवाही करते हुए टोल प्लाजा मण्डार के पास नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक से पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 800 कार्टन जब्त किये जाकर 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

कैलाशचंद सहायक उप निरीक्षक पुलिस मय जाब्ता द्वारा टोल प्लाजा मण्डार के पास नाकाबंदी के दौरान सिरोही-रेवदर की तरफ से आये ट्रक की गहनता से चैकिंग की गई तो उक्त वाहन ट्रक में सोयाबडी भरे प्लास्टिक के कट्टों के नीचे तस्करी के आशय से छिपाकर पंजाब राज्य निर्मित अवैध शराब के कार्टन भरे हुये पाये जाने पर वाहन ट्रक में भरे सोयाबडी भरे प्लास्टिक के कट्टों को हटाकर उक्त कट्टों के नीचे छिपाकर भरे हुये अवैध पंजाब निर्मित शराब के 800 कार्टन पाये गये। जिस पर वाहन के चालक गणेशाराम के कब्जे से ट्रक में भरी अवैध शराब को जब्त कर अभियुक्त गणेशाराम को गिरफ्तार किया गया। अवैध शराब से भरे ट्रक को पंजाब-हरियाणा से प्राप्त कर कोटपुतली-बहरोड, जयपुर, अजमेर, ब्यावर, पाली होते हुये गुजरात राज्य में सप्लाई के लिये मण्डार तक पहुंचना बताया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त से शराब लाने व सप्लाई देने के सम्बंध में अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस ने गणेशाराम पुत्र प्रेमाराम जाति नायक उम्र 33 साल निवासी परसनेउ पुलिस थाना राजलदेसर जिला चुरू को गिरपतार किया।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं भारत सरकार का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण है। - रोहित शर्मा

पूर्व भारतीय कप्तान, पद्मश्री पुरस्कार की घोषणा के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी – सचिन तेंदुलकर

क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने आज मुंबई रणजी टीम से बात की और उन्हें आने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल की तैयारी के लिए मोटिवेट किया, जो बीकेसी के एमसीए ग्राउंड पर होगा। सचिन ने मुंबई टीम के ड्रेसिंग रूम में बाकायदा खिलाड़ियों से बात की और उन्हें बताया कि उन्हें मैदान पर क्या करना चाहिए। मुंबई की टीम रणजी ग्रुप डी में सात मैच में चार जीत और तीन ड्रा के साथ 33 अंक लेकर क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी है जहां उसका मुकाबला कर्नाटक से मुंबई में होगा। शार्दुल ठाकुर और यशस्वी जायसवाल को कर्नाटक के खिलाफ छह फरवरी से शुरु होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के लिए 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया।

क्या आप जानते हैं ?... क्लब और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त रूप से 930 से अधिकगोलके साथ, क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब तक के सर्वोच्च गोल स्कोरर हैं।

इंडिया बनाम पाक मैच जरूर होना चाहिए : ब्रेट ली

दुबई, 4 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि भारत और

पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच होना चाहिए क्योंकि दुनिया भर में फैंस इस मैच का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। क्रिकेट के लीजेंड ब्रेट ली ने मिडिल ईस्ट में क्रिकेट स्टोरीटेलिंग के एक नए दौर की शुरुआत की, मिस्टर क्रिकेट यूएई पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में उन्होंने बोल्ड बयान, बेखौफ भविष्यवाणियां और एक्सपर्ट इनसाइट दीं, साथ ही मिस्टर क्रिकेट यूएई के फ़ाउंडर अनीस साजन भी थे। इस एपिसोड ने मीडिया ग्रुप के लिए पॉडकास्ट स्टूडियो का ऑफिशियल उद्घाटन भी किया। शो के सबसे दमदार पलों में से एक तब आया जब ब्रेट ली ने क्रिकेट की सबसे मशहूर दुश्मनी के बारे में कहा, मुझे सच में उम्मीद है कि इंडिया बनाम पाकिस्तान मैच होगा। मुझे उम्मीद है कि उन्हें मौका मिलेगा। दुनिया भर के अरबों फ़ैन्स इस मैच का इंतज़ार करते हैं।

आध्यात्म की गेंदबाजी तथा अर्णव के आल राउण्ड प्रदर्शन से शास्त्री एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 4 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हातोज में खेले गये लीग के अन्तिम मुकाबले में शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने आध्यात्मक शर्मा 25 रन पर तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी अर्णव 14 रन पर 2 विकेट तथा 22 रन आलराउण्ड प्रदर्शन के बदौलत राजीव गांधी क्रिकेट एकडमी को 3 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित कर लिए। टॉस जीतकर राजीव गांधी क्रकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया उनकी और जयसिंह 43 रन, अभिनव शर्मा 20 रन, तथा देव 20 रन को छोडकर कोई भीर बल्लेबाज आध्यात्म शर्मा 25 रन पर तीन विकेट अर्णव शर्मा 14 रन पर दो विकेट वैभव सिंह 22 रन पर 2 विकेट तथा सक्षम सक्सेना, शिवा सिंह व हेमन्द्र पारीक प्रत्येक 1-1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष नहीं टीक सके व पूरी टीम 31.1 ओवर में राजीव गांधी की पूरी टीम 130 रन पर सिमट गई। जवाबी पारी में शास्त्री एकेडमी की ओर से गर्व 38 रन, पार्थ 36 रन, अर्णव शर्मा 22 रन ने मिलकर विजय लक्ष्य 131 रन 7 विकेट खोकर 29.4 ओवर में हासिल कर अपनी टीम को 3 विकेट से जीत दिला दी। राजीव गांधी एकेडमी की ओर से धनु कटारिया 26 रन पर 3 विकेट तथा वैभव सैनी अगस्त चौधरी, राजवंश राठौड व प्रिस चौधरी प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच अध्यात्म शर्मा शास्त्री क्रिकेट एकेडमी रहे।

नवीन यूथ क्लबों का पंजीयन 250 रू. में : नीरज पवन

जयपुर, 4 फ़रवरी। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष-राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज के. पवन ने बताया कि राज्य सरकार ने बहुत बड़ा कदम उठाते हुए नवीन युवा क्लबों (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र) के गठन का पंजीयन शुल्क 250/- रू. कर दिया है। जबकि पहले यह पंजीयन दस हज़ार रू. में होता था। सभी नवीन युवा क्लबों का पंजीयन राजस्थान संस्था रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1958 के तहत होगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान देश में पहला राज्य होगा, जहाँ यूथ क्लबों का पंजीयन होगा और वह भी 250/- रू. में। इससे प्रदेश के ज़्यादा से ज़्यादा युवा खेलों से भी जुड़ेंगे और अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे।

अंडर-23 महिला शिविर के लिए खिलाड़ियों का चयन

जयपुर, 4 फरवरी। खिलाड़ी को 8 फरवरी, 2026 से जयपुर में आयोजित होने वाले अंडर-23 महिला शिविर के लिए चुना गया है:यू-23 एक दिवसीय शिविर की संभावनाएँ: दीक्षा सैनी, अक्षिता शारदा,वंशिका यादव, पार्वती,सीजे भाटी,शानू सेन,कृतिका कंवर राजावत,तनिका शर्मा,याना वर्मा,सिद्धि शर्मा,श्रेया जोशी,अर्चना योगी,अंजलि जाट ,हैप्पी कुमारी,कंचन हुडा, धृति माथुर,मैना सयोल,एंजल चौधरी,अनाया गर्ग,उषा पेरेरिया,माही सेठ,ख़ुशी जैन,यशस्वी कट्टा,नंदिनी पालीवाल,डिम्पल कंवर,नव्या.एन,भाविनी भार्गव, अनुष्का शर्मा,रिज़ा शेख, ऋतु लोढ़ा।

भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

किंगदाओ (चीन), 4 फरवरी। भारतीय पुरुषों ने सिंगापुर की कड़ी चुनौती को पार किया, जबकि महिलाओं ने बुधवार को चीन के किंगदाओ में खेली जा रही बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के अपने शुरुआती ग्रुप स्टेज मुकाबलों में म्यांमार पर दबदबा बनाया और क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की की। भारत और सिंगापुर के बीच पुरुषों के ग्रुप सी का मुकाबला रोमांचक रहा, जिसमें पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने तीसरे पुरुष सिंगल्स में जिया वेई जोएल कोह के खिलाफ 21-15, 21-16 से शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारतीय पुरुष टीम ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की और अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराया

नवीं मुम्बई, 4 फरवरी। इशान किशन (54), तिलक वर्मा (45), कप्तान सूर्यकुमार यादव (30) अक्षर पटेल (नाबाद 35) की तूफानी पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत पर भारत ने टी-20 विश्वकप से पहले बुधवार को खेले गये अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से शिकस्त दी।

241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खबरा रही और उसने पहले ही ओवर में जॉर्ज लिंडे (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें अर्शदीप सिंह ने आउट किया। इसके बाद रायन रिकलटन ने कप्तान एडन मारक्रम के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। छठें ओवर में मारक्रम के रिटायर आउट होने पर यह साझेदारी टूटी। मारक्रम ने 19 ओवर में दो चौके और चार छक्के लगाते हुए 38 रन बनाये। आठवें ओवर में शिवम दुबे ने डेवाल्ड ब्रेविस (दो) को आउट किया। 10वें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने रिकलटन को विकेट के पीछे इशान किशन के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया।

रिकलटन ने 21 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाये। अगले ओवर में डेविड मिलर (13) को अक्षर पटेल ने आउट किया। 15वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने जेसन स्मिथ का शिकार किया। जेसन स्मिथ ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 35 रन बनाये। 19वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने मार्का यानसन को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। यानसन ने 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 31 रन बनाये। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 210 रन ही बना सकी और मुकाबला 30 रनों से हार गई। ट्रिस्टन स्टब्स ने 21 गेंदों में चार छक्के और एक चौका लगाते हुए नाबाद 45 रन बनाये। इससे पहले आज यहां भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इशान किशन और अभिषेक शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 80 रन जोड़े। छठें ओवर में इशान किशन रिटायर आउट हुये। इशान किशन ने 20 गेंदों में दो चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 53 रन बनाये। इसके बाद आठवें ओवर में अभिषेक शर्मा भी 24 रन पर रिटायर आउट हो गये। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। भारत का तीसरा विकेट 10वें ओवर में तिलक वर्मा के रूप में गिरा। तिलक वर्मा को मार्का यानसन ने बोल्ड आउट किया। तिलक वर्मा ने 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 45 रन बनाये। सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 30 रन बनाये। रिंकू सिंह 16 रन बनाकर आउट हुये। हार्दिक पंड्या ने 10 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के लगाते हुए 30 रनों की पारी खेली।

ऐरन जॉर्ज का शतक, अफगानिस्तान को हराकर भारत अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में

हरारे, 4 फरवरी। सलामी बल्लेबाज ऐरन जॉर्ज (115) की शतकीय, वैभव सूर्यवंशी (68) और कप्तान आयुष म्हात्रे (62) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने बुधवार को अंडर-19 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 53 गेंदें शेष रहते सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल मे प्रवेश किया।

311 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी और ऐरन जॉर्ज की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 92 रन जोड़े। 10वें ओवर में नूरीसतानी ओमरजई ने वैभव सूर्यवंशी को आउटकर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों में नौ चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 68 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान आयुष म्हात्रे ने ऐरन जॉर्ज के साथ दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की। 27वें ओवर में नूरीसतानी ओमरजई ने आयुष म्हात्रे को आउट किया। आयुष म्हात्रे ने 59 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए 62 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विहान मल्होत्रा ने जॉर्ज के साथ 96 रन जोड़कर भारत की जीत पक्की कर दी। इसी दौरान जॉर्ज ने अपना शतक पूरा किया। 40वें ओवर में वाहिदउल्लाह जदरान ने जॉर्ज को आउटकर दिया। जॉर्ज ने 104 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 115 रनों की शानदार पारी खेली। भारत ने 41.1 ओवर में तीन विकेट पर 311 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। विहान मल्होत्रा 38 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले आज यहां फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101) की शानदार शतकीय पारियों के दम पर अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ चार विकेट पर

310 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उस्मान सादत और खालिद अहमदजई की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। 13वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने खालिद अहमदजई को आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। अहमदजई ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 31 रन बनाये।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये फैसल शिनोजादा ने उस्मान सादत के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी की। 25वें ओवर में कनिष्क चौहान ने उस्मान सादत को आउटकर पवेलियन भेज दिया। उस्मान सादत ने 70 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 39 रन बनाये। फैसल शिनोजादा और उजैरुल्लाह नियाजई के बीच तीसरे विकेट के लिए 148 रनों की साझेदारी हुई।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का मानना है कि मौजूदा समय में भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम है और शनिवार से शुरु हो रहे टी-20 विश्वकप 2026 में वह सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरेगी।

धोनी ने एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, एक अच्छी टीम के लिए जो कुछ भी चाहिए, सब कुछ इसमें मौजूद है। विशेष रूप से इस प्रारूप में इनके पास अनुभव की कोई कमी नहीं है। उन्होंने दबाव में खेला है। टीम में जो भी खिलाड़ी जिस भी भूमिका में है, वह उस भूमिका को काफी समय से निभाता आ रहा है।

धोनी के इस भरोसे की आंकड़े भी गवाही देते हैं। पूर्व चैंपियन भारतीय टीम ने अक्तूबर 2023 से अब तक खेले गए टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 बार जीत का स्वाद चखा है, जबकि आठ मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। टीम की ताकक उसकी विस्फोटक बल्लेबाजी है, जहां बड़े-बड़े सिक्सर

जड़ने वाले खिलाड़ी मौजूद हैं। गेंदबाजी में भी भारत का पलड़ा भारी है। भारत के पास जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो सबसे अच्छे गेंदबाज मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जो चीज मुझे परेशान करती है, वह है ओस। मुझे ओस बिल्कुल पसंद नहीं है। ओस बहुत कुछ बदल देती है। जब मैं स्वयं खेलता था, तब भी ओस से सबसे अधिक डर लगता था, क्योंकि वहां टॉस बेहद अहम हो जाता है और कई चीजें उसी पर निर्भर हो जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर हम बेहतरीन टीमों के खिलाफ दस मैच खेलें और हालात बराबर हों, तो ज़्यादातर मौकों पर हम ही विजेता बनकर निकलेंगे। समस्या तब आती है, जब आपकी टीम के कुछ खिलाड़ियों का दिन खराब होता है और सामने वाली टीम का कोई खिलाड़ी शानदार दिन बिता देता है।

कपिल ने पाकिस्तान के बॉयकॉट पर कहा: लंबे समय में, कोई भी उन्हें मिस नहीं करेगा...

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। भारत के पूर्व वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने आने वाले वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की है। इससे पहले, देश की सरकार ने टीम को टूर्नामेंट खेलने के लिए कहा था; हालांकि, उसने भारत के खिलाफ नहीं खेलने के लिए कहा। कपिल देव ने कहा कि अगर यह फैसला खिलाड़ियों की तरफ से आता, तो इस पर विचार किया जा सकता था, लेकिन जैसा कि यह बोर्ड की तरफ से आ रहा था, उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की पीढ़ी खत्म हो जाएगी और यह भी कहा कि लोग उनसे आगे बढ़ जाएंगे।

कपिल देव ने एक समाचार चैनल पर कहा, "अगर फैसला खिलाड़ियों ने लिया है, तो वे सामने आकर कह सकते हैं। लेकिन,

अगर बोर्ड कहता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो देश की रेप्युटेशन कम होती है। पाकिस्तान के लिए यह अच्छा नहीं लग रहा है। आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं। पाकिस्तान ने हमें इतने सालों में शानदार टैलेंट दिया है। लेकिन अगर आप इन लड़कों को वर्ल्ड कप में खेलने नहीं देंगे, तो आप पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं और खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आप अपने ही खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।"

कपिल देव ने कहा कि अगर वे समय रहते भारत के खिलाफ मैचों का बॉयकॉट करते हैं, तो वे फैंस खो देंगे, और लोग उनसे आगे बढ़ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, "भावनाओं और दर्शकों पर असर पड़ेगा। लेकिन, लंबे समय में, कोई भी उन्हें मिस नहीं करेगा। लोग इसके बारे में लंबे समय तक नहीं सोचेंगे, और वे आखिरकार आगे बढ़ जाएंगे।"

दूसरी ओर, आईसीसी ने चेतावनी दी है कि इस तरह के फैसले का पाकिस्तान के क्रिकेट भविष्य पर असर पड़ेगा। आईसीसी की एक प्रेस रिलीज में लिखा है, "आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट पर इसके बड़े और लंबे समय तक चलने वाले असर पर विचार करेगा, क्योंकि इससे ग्लोबल क्रिकेट इकोसिस्टम पर असर पड़ने की संभावना है, जिसका वह खुद सदस्य और फ़ायदा उठाने वाला है।"

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 12 रनों से हराकर और सीरीज भी जीती

पल्लेकेले (श्रीलंका), 4 फरवरी। सैम करन (58) की अर्धशतकीय पारी के बाद जैकब बेथल (चार विकेट) और विल जैक्स (तीन विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 12 रनों से शिकस्त दी। इसी साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली।

जैकब बेथेल ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 11 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर महीश तीक्षणा (दो) को आउटकर 116 के स्कोर पर श्रीलंका की पारी का अंत कर दिया। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने सर्वाधिक 26 रन बनाये। पुथुम निसंका (23), जनित लियानगे (17), कामिंडु मेंडिस (14) और पवन रत्नायके 13 रन बनाकर आउट हुये।

291 एथलीट्स, पैरा एथलीट्स एवं पैरा पॉवरलिफ्टिंग का आज होगा स्किल टेस्ट

जयपुर, 4 फ़रवरी। बुधवार को राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में आठ दिवसीय विभिन्न खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा के दूसरे दिन बालक एथलेटिक्स अकादमी-श्रीगंगानगर (42), अजमेर (79), चूरू (35) तथा बालिका एथलेटिक्स अकादमी-जयपुर व बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स, जयपुर (81),

बालिका एथलेटिक्स अकादमी-चूरू (11), बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स,भरतपुर (14), बालिका खेल संस्थान-एथलेटिक्स, उदयपुर (12)। पैरा खेल अकादमी, एथलेटिक्स व पॉवरलिफ्टिंग (बालक)-जयपुर (17) में कुल 291 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव श्रीमती नीतू बारूपाल ने बताया कि गुरुवार को 291 एथलीट्स, पैरा एथलीट्स एवं पैरा पॉवरलिफ्टिंग के खिलाड़ियों का स्किल टेस्ट होगा।

गुरुवार को ही बालक तीरंदाजी अकादमी उदयपुर व डूंगरपुर और बालिका तीरंदाजी अकादमी-जयपुर व खेल संस्थान उदयपुर-बालिका के लिए ट्रायल में भाग लेने आने वाले तीरंदाज़ों का रजिस्ट्रेशन और मेडिकल करवाने के बाद बैटरी टेस्ट लिया गया। बैटरी टेस्ट में कुल आठ एक्टिविटी है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को बालक हैंडबॉल अकादमी-जैसलमेर, बालिका हैंडबॉल अकादमी-जयपुर, बालक साइक्लिंग अकादमी-बीकानेर, बालक कुश्ती अकादमी-भरतपुर एवं बालिका खेल संस्थान-कुश्ती, भरतपुर के लिए स्किल टेस्ट लिए गए।

नेमार वर्ल्ड कप टीम में वापसी के करीब

रियो डी जेनेरो, 4 फरवरी। सैंटोस के फॉरवर्ड नेमार चोट से वापसी के करीब हैं, क्योंकि वह ब्राज़ील की 2026 फीफा वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 33 साल के नेमार ने दिसंबर में अपने बाएं घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन इस हफ़्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। बुधवार को साओ पाउलो के खिलाफ सैंटोस के घरेलू ब्राज़ीलियन सीरी ए मैच में उनके खेलने की उम्मीद कम है, हालांकि मैनेजर जुआन पाब्लो वोज्वोडा ने कहा कि वह बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार को जल्दबाज़ी में वापस नहीं लाएंगे।

ईशा ने स्वर्ण और सम्राट ने जीता कांस्य पदक

नयी दिल्ली, 4 फरवरी। ओलंपियन ईशा सिंह ने बुधवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026 में महिलाओं के 10मी एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन सम्राट राणा को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। आज यहां भारत ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में महिलाओं की 10मी एयर पिस्टल में टीम स्वर्ण पदक और पुरुषों की स्पर्धा में रजत पदक भी जीता।

मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं, जल्द ही खेल के मैदान पर वापस आऊंगा : ऋषभ पंत

मुंबई, 4 फरवरी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने मंगलवार को वर्ल्ड पिकलबॉल लीग के मौके पर कहा कि उनकी चोट से रिकवरी लगातार हो रही है और उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करेंगे, जहां वह मुंबई पिकल पावर के को-ओनर के तौर पर मौजूद थे।

पंत को टीम की ग्रासरूट आउटरीच पहल के तहत युवा फैंस से बात करते देखा गया, जिसमें 150 से ज़्यादा बच्चे शामिल थे। पंत बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखे हुए हैं।

पंत ने कहा, "मेरी फिटनेस दिन-ब-दिन बेहतर हो रही है। मैं बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत कर रहा हूं, और मुझे लगता है कि मैं जल्द ही खेल के मैदान पर वापस आऊंगा।"

27 साल के पंत ने चोट के लंबे समय तक खेल से जुड़े रहने की अहमियत पर बात की। उन्होंने क्रिकेट के लिए अपने पैशन और रिकवरी फेज में मदद करने के लिए अपने आस-पास के सपोर्ट सिस्टम की तारीफ की। उन्होंने कहा, "जब मैं चोटिल होता हूं, तो एक चीज जो मुझे हमेशा खेल के करीब रखती है, वह है खेल के लिए प्यार और आपके आस-पास के लोगों का सपोर्ट।"

पंत ने इस बात पर भी जोर दिया कि चोटों ने एक प्रोफेशनल क्रिकेटर के तौर पर लगातार सुधार की जरूरत को दोहराया है। उन्होंने कहा, "एक क्रिकेटर के तौर पर, आपको हमेशा अपने खेल में सुधार करते रहना होता है। मुझे अपने ओवरऑल गेमप्ले के हर पहलू में बेहतर होने की कोशिश करते रहना होगा।"

अपने करियर में कई बार वापसी करने के बारे में बताते हुए, पंत ने कहा कि मैदान से दूर रहने से क्रिकेट और जिंदगी दोनों के प्रति उनका नजरिया बेहतर हुआ है। हालांकि, उन्होंने माना कि टॉप-लेवल कॉम्पिटिशन की कमी साइडलाइन होने का सबसे मुश्किल हिस्सा बनी हुई है। उन्होंने कहा, "हर वापसी ने मुझे ज़िंदगी के बारे में कुछ न कुछ सिखाया है। इसने मुझे और ज़्यादा शुक्रगुज़ार होना सिखाया है, आप अपने आस-पास की चीज़ों को कैसे देखते हैं, और किसी ऐसी चीज के लिए कमिटेड रहना चाहते हैं जो आपको सच में खुश करे।" उन्होंने कहा, "जब मैं घायल होता हूँ, तो जिस चीज़ की मुझे सबसे ज़्यादा कमी महसूस होती है, वह है खेल का सच में मज़ा लेना।

मैकमुलेन के 95 रन बेकार गए, नामीबिया ने स्कॉटलैंड को हराया

बेंगलुरु, 4 फरवरी। बेंगलुरु में बीसीसीआई सीओई ग्राउंड 2 पर एक हाई-स्कोरिंग थ्रिलर में, नामीबिया ने बुधवार को ब्रैंडन मैकमुलेन के शानदार 95 रन के बावजूद स्कॉटलैंड को सिर्फ़ छह रन के अंतर से हरा दिया।

पहले बैटिंग करने का फ़ैसला करने के बाद, नामीबिया की ओपनिंग जोड़ी जान फ्रीलिंक (88) और लॉरेन स्टीनकैंप (51) ने जबरदस्त शुरुआत की। पावरप्ले में 79 रन बनाए। उनकी 137 रन की पार्टनरशिप आखिरकार 11वें ओवर में खत्म हुई जब लेगी क्रिस ग्रीव्स ने फ्राइलिंक को आउट किया, लेकिन कप्तान गेरहार्ड इरास्मस के नाबाद 33 रन और रूबेन ट्रम्पेलमैन के तेज 25 रन की मदद से नामीबिया ने 4 विकेट पर 226 रन का बड़ा स्कोर बनाया। स्कॉटलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए माइकल जोन्स को जल्दी खो दिया, लेकिन मैकमुलेन खतरनाक मूड में थे, उन्होंने अपनी 39 गेंदों की पारी में छह चौके और आठ छक्के मारे। मार्क वॉट (33) और कप्तान रिची बेरिंगटन (46) ने तेज गति से सपोर्ट रोल निभाया और ऐसा लग रहा था कि स्कॉटलैंड आखिरी ओवर में 12 रन की ज़रूरत होने पर इसे जीत लेगा। हालांकि, जेजे स्मिट ने आखिरी ओवर में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

अखिल भारतीय सबजूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता

वयम लाम्बा व श्रेयांष चौधरी फाइनल में, मनन शर्मा भी युगल में खिताबी दावेदार

जयपुर 4 फरवरी। वयम लाम्बा और श्रेयांष चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही योनेक्स-सनराईज अखिल भारतीय सबजूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अंडर-15 बालक युगल के सेमीफाइनल में राजस्थान के वयम लाम्बा व श्रेयांष चौधरी ने राजस्थान के मनन शर्मा व आंध्रप्रदेष के साई सोहन कोटा को तीन गेमों के संघर्ष में 10-21, 21-19, 21-18 से हराया। इससे पूर्व अंडर-15 मिश्रित युगल में शीर्ष वरियता प्राप्त राजस्थान के मनन शर्मा व पंजाब की इनायत गुलाटी ने सेमीफाइनल में कर्नाटक के विषाल उथप्पा बी.बी. व हंषिका राकेष 21-8, 21-9 से हरा खिताबी दावेदारी पेष की।

अंडर-15 मिश्रित युगल में सात्विक अग्रवाल व लक्षिता भारद्वाज ने राजस्थान की ही जोड़ी श्रेयांष चौधरी व पदमजा सिंह को 21-7, 21-11 से परास्त कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। लेकिन सेमीफाइनल में दूसरी वरियता प्राप्त तमिलनाडु की जोडी जे. निधि गिंटी व टी.एम.एफ. से 21-14, 21-19 से हार कांस्य पदक पर संतोष करना पड़ा। इसी आयु वर्ग के युगल में श्रेयांष चौधरी व वयम लाम्बा ने कर्नाटक के गौतम एस. नायर व सिद्धार्थ एस. नायर को 21-14, 21-13 से हराया। खिताब की तगडी दावेदार राजस्थान की अन्वी राठौड सेमीफाइनल में उलटफेर की षिकार हुई, पष्चिम बंगाल की पांचवी वरियता प्राप्त आर्यमा चक्रवर्ती से तीन गेमों में 25-23, 22-20, 21-19 से हार गई। अन्वी को दूसरी वरियता प्राप्त थी। अंडर-17 बालिका एकल के क्वार्टरफाइनल में महाराष्ट्र की छठी वरियता प्राप्त घटा सुर्यवंषी ने अन्वी राठौड को 21-11, 21-7 से हराया।

इससे पूर्व एडवोकेट जनरल और जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के चीफ पैटर्न गिरधारी सिंह बाफना व जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया। भारतीय हैंडबॉल संघ के सचिव तेजराज सिंह, राजस्थान बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव मोहम्मद जाकिर हुसैन, कोषाध्यक्ष चूनसिंह भाटी, उपाध्यक्ष मनोज दासोत ने खिलाड़ियों को पदक पहनाए।

टीम जयपुर लीला और जिंदल बेदला ने जीते मैच

जयपुर, 4 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत द लीला महाराजा सवाई मान सिंह पोलो कप (08) गोल्स के लिए बुधवार को दो मुकाबले हुए। पहला मैच पीपीसी ग्राउंड पर टीम सुहाना ऑल स्टार्स पोलो

और टीम जयपुर लीला के बीच खेला गया। वहीं, दूसरा मुकाबला आरपीसी ग्राउंड पर टीम ट्रोजन्स और टीम जिंदल बेदला के बीच हुआ।

पहले मुकाबले में टीम लीला 7-4.5 के स्कोर से टीम सुहाना ऑल स्टार्स पोलो को हराकर विजेता बनी। विजेता टीम जयपुर लीला से लांस वाटसन ने 4 गोल और हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 2 गोल किए। टीम के लिए भवानी सिंह काल्वी ने 1 गोल किया। टीम से मिर्जा मोहम्मद बेग भी खेले। वहीं, सुहाना ऑल स्टार्स पोलो से साविर मेहराज गोदारा और माटियास वायल ने 2-2 गोल किए। टीम में शिवांगी जय सिंह और डीनो धनखड़ भी शामिल रहे। यहां टीम सुहाना ऑल स्टार्स पोलो को आधे गोल का एजवांटेज भी मिला।

इसी प्रकार, आरपीसी ग्राउंड पर हुए मुकाबले में टीम जिंदल बेदला विजेता रही। जिंदल बेदला ने 11-3 के स्कोर से टीम ट्रोजन्स को शिकस्त दी। विजेता टीम जिंदल बेदला से सिद्धांत शर्मा और सिमरन शेरगिल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5-5 गोल हासिल किए। विश्वरूपे बजाज ने 1 गोल किया। टीम की ओर से वैंकटेश जिंदल भी खेले। दूसरी ओर, टीम ट्रोजन्स से नवीन सिंह ने 2 गोल और एलेजो अरामबुरु ने 1 गोल किया। टीम से रोहन सुंदेशा और आरके धनंजय सिंह भी खेले।

जोधपुर-पाली-मारवाड़ कंकाणी को प्रायोरिटी सेमीकंडक्टर कॉरिडोर घोषित करेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत परियोजनाओं को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे

जयपुर, 4 फरवरी। जैसे-जैसे देश डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आर्थिक सुरक्षा और रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए बड़ी आवश्यकता के रूप में उभरी है। इसको और मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की बड़ी पहल की है। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी प्रदेश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन, पैकेजिंग तथा संबद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में देश का प्रमुख गंतव्य बनाएगी। इस नीति के अन्तर्गत राज्य सरकार जोधपुर-पाली-मारवाड़ और कंकाणी सहित अन्य उपयुक्त औद्योगिक क्षेत्रों को प्रायोरिटी सेमीकंडक्टर कॉरिडोर्स घोषित करेगी। इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए फास्ट-ट्रेक लैण्ड अलॉटमेंट, यूटिलिटी कॉर्डिनेशन और सिंगल विण्डो रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया जाएगी। इस नीति के अंतर्गत इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सेमीकंडक्टर मिशन के तहत परियोजनाओं को आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान दिए जाएंगे। यह नीति सेमीकंडक्टर क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देगी और उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित भी करेगी।

प्रदेश में निवेशकों को सेमीकंडक्टर यूनिट्स की स्थापना के लिए राजनिवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी की क्रियान्विति

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सेमीकंडक्टर पॉलिसी की क्रियान्विति के लिए स्टेट लेवल सैंक्शनिंग कमेटी तथा स्टेट एम्पावर्ड कमेटी का गठन किया जाएगा। उद्योग एवं वाणिज्यिक विभाग, नोडल विभाग होंगे।**

के लिए दो समितियों-स्टेट लेवल सेंक्शनिंग कमेटी (एसएलएफसी) और स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी का गठन किया जाएगा। वहीं, उद्योग एवं वाणिज्यिक विभाग नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा।

संसद में भारी हंगामा, प्रमंत्री भाषण नहीं दे सके

नई दिल्ली, 04 फरवरी। सदन में विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज होने वाला भाषण भी टल गया है। प्रधानमंत्री मोदी को आज शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इससे पहले सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला, जिसके बाद लोकसभा को गुरुवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को सदन की कार्यवाही 12 बजे, फिर 2 बजे, और इसके बाद शाम पांच बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक गद्दार जा रहा है। इसका चेहरा देखो।'' इसके बाद उन्होंने बिट्टू से हाथ मिलाने की कोशिश करते हुए कहा, ''हैलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे।''

मंत्री ने गांधी से हाथ मिलाने से इनकार करते हुए कहा, ''देश के दुश्मन।'' यह बातचीत उनके उस बयान के बाद हुई जिसमें उन्होंने (बिट्टू) प्रदर्शनकारी सांसदों के बारे में कहा था कि '' वे ऐसे बैठे हैं जैसे उन्होंने कोई जंग जीत ली हो।''

ममता बनर्जी ने सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसका चुनाव पर महत्वपूर्ण असर पड़ सकता है।

बनर्जी और उनकी पार्टी ने बंगाल में फर्जी मतदान करने की कला में महारत हासिल कर ली थी और उन्होंने मतदाता सूचियों की खामियों का फायदा उठाकर कई सीटों पर जीत हासिल की थी। टीएमसी को मतदाता सूचियों में मौजूद फर्जी नामों की पूरी जानकारी रहती थी और वह नियमित रूप से अपने समर्थकों को फर्जी मतदान के लिए भेजती थी।

कम से कम 56 लाख नाम ऐसे पहचाने गए हैं जो फर्जी थे। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऐसे नाम भी हटाए गए, जिनके नाम पर दर्ज लोग बहुत पहले मर चुके थे। इसके साथ-साथ बांग्लादेश से सीमा पार कर आए अवैध प्रवासी भी बंगाल के चुनावों में नियमित रूप से मतदान करते रहे थे।

इन सभी समूहों को मिलाकर देखा जाए तो मतदाता सूची का सही और ईमानदार संशोधन बड़ी संख्या में फर्जी और अवैध मतदाताओं को हटाने का कारण बन सकता है, जिन्हें वोट देने का अधिकार नहीं था। ममता बनर्जी को ऐसे

- **पर, यह महसूस करते हुए कि अगर, संशोधित वोटर लिस्ट प्रकाशित हो गई तो तृणमूल कांग्रेस को भारी नुकसान हो सकता है, ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में ''ड्रामा'' करने का निर्णय लिया। अगर, सुप्रीम कोर्ट इस ''ड्रामे'' से प्रभावित होकर, एसआईआर प्रक्रिया को स्थगित कर देता है तो प्रजातंत्र के लिए काला दिन होगा।**

फर्जी वोटों से फायदा मिलता रहा है और अब उन्हें इसमें समस्या दिखाई दे रही है। इसलिए वह इस प्रक्रिया को बदनाम करने और खत्म करने की कोशिश कर रही हैं।

दुर्भाग्य से, सर्वोच्च न्यायालय इस चुनौती का सामना नहीं कर पाया और ऐसा लगता है कि वह उनके राजनीतिक दबाव के आगे झुक गया। अगर सुप्रीम कोर्ट ममता बनर्जी के राजनीतिक दांव का सामना नहीं कर पाता और मतदाता सूची का सही संशोधन खतरे में पड़ जाता है, तो यह लोकतंत्र और मतदान के लिए दुखद दिन होगा।

अदालत में उनके राजनीतिक भाषण को रोकने के बजाय, जज उनके दबाव वाले तरीके के सामने झुक गए और उन्हें लगभग पंद्रह मिनट तक बोलने दिया। अदालत ने मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्देश दिया कि वह उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों, जैसे विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया में अपनाई जा रही पद्धितयों, पर ध्यान दें।

अदालत तृणमूल कांग्रेस द्वारा दायर याचिका पर आगे सुनवाई करेगी, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त पर अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। ममता बनर्जी ने कहा कि विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया में नामों में छोटे-मोटे अंतर के आधार पर लोगों के नाम मतदाता सूची से मनमाने तरीके से हटाए जा रहे हैं।

बनर्जी ने नाम और उपनाम लिखने के अलग-अलग तरीकों की ओर ध्यान दिलाया, जो वर्तमान व्यवस्था का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे किसी भी अंतर के कारण मतदाता सूची से नाम हटाए जा रहे हैं।

चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंच ने निर्वाचन आयोग को आदेश दिया कि एसआईआर के तहत नोटिस सावधानी से भेजे जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ''ईसीआई को, कृपया नोटिस सावधानी से भेजें। आप प्रतिष्ठित लेखकों आदि को नोटिस नहीं भेज सकते।''

ये टिप्पणियां उस घटना के कुछ हफ्तों बाद आई हैं, जब चुनाव आयोग ने पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश (सेवानिवृत्त), नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन और भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी सहित कई सार्वजनिक हस्तियों को एसआईआर के तहत नोटिस भेजे थे।

ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ महिलाओं के नाम केवल इसलिए हटा दिए गए क्योंकि उन्होंने शादी के बाद अपना सरनेम बदल लिया। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए बेटी शादी के बाद ससुराल चली जाती है, वह पति का सरनेम इस्तेमाल कर रही है, इसे भी मिसमैच माना गया, कुछ बेटियां ससुराल चली गईं, उनके नाम भी हटा दिए गए।''

युमनाम खेमचंद सिंह ने मणिपुर के मु.मंत्री पद की शपथ ली

इंफाल, 04 फरवरी। हिंसाग्रस्त मणिपुर को लंबे राष्ट्रपति शासन के बाद अपना नया मुख्यमंत्री मिल गया है। मार्शल आर्ट के धुरंधर मैतेई समुदाय के युमनाम खेमचंद सिंह ने राज्य के नए मुख्यमंत्री के तौर पर आज शपथ ली। इससे पहले आज उन्होंने मणिपुर के राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

वहीं, भाजपा विधायक नेमचा किपगेन ने मणिपुर के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। किपगेन कुकी समुदाय से हैं। इसके अलावा, नागा पीपुल्स फ्रंट के विधायक एल डिखो ने भी उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। भाजपा के गोविंदास कोंथौजम और एनपीपी केके लोकेन सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। नेमचा किपगेन ने नई दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से डिजिटल माध्यम से शपथ ली। विधायक दल की मंगलवार को बैठक हुई, जिसमें खेमचंद (62 वर्षीय)को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था। राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी मुख्यालय में भाजपा विधायक दल

- **कुकी समुदाय के भाजपा विधायक नेमचा किपगेन को उपमुख्यमंत्री बनाया गया**

की डेढ़ घंटे बैठक चली, जिसमें खेमचंद के नाम पर सहमति बनी थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, पर्यवेक्षक तरुण चुघ की उपस्थिति में भाजपा मुख्यालय में विस्तार से हुई विधायक दल की बैठक में कई नामों पर विचार हुआ था।

चर्चा थीकि कुकी बनाम मैतेई समुदाय के बीच संतुलन साधने के लिए नई सरकार में कुकी समुदाय को उपमुख्यमंत्री की कुर्सी मिलेगी। हालांकि, मुख्यमंत्री के मामले में लिए गए निर्णय से साफ थाकि पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की पसंद को तवज्जो नहीं मिली। बीरेन सात बार के विधायक मैतेई समुदाय के ही गोविंद दास को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे।

भूमिगत ''चिकन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की इस पट्टी की संवेदनशीलता को रेखांकित किया था। उनका कहना था कि इस हिस्से में किसी भी प्रकार का व्यवधान सैन्य आपूर्ति लाइनों को काट सकता है और सैनिकों की आवाजाही में बाधा डाल सकता है, साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों को भी अलग-थलग कर सकता है। एनएफआर अधिकारियों के अनुसार, भूमिगत रेल ट्रैक आपात स्थितियों में भी निर्बाध सैन्य आवागमन सुनिश्चित करेगा। हाल के महीनों में बांग्लादेश का चीन की ओर झुकाव साफ़ तौर पर दिखाई दिया है। हाल ही में बांग्लादेश वायुसेना ने चीन के साथ ड्रोन निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए एक समझौता किया है। रिपोर्टों के अनुसार, इन ड्रोनों में चीनी निगरानी तकनीक लगी होगी, जिसका उपयोग भारत-बांग्लादेश सीमा के 4,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र की निगरानी के लिए किया जा सकता है।

शरद पवार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अजित पवार ने एनसीपी(एसपी) के साथ विलय की कोई पहल नहीं की थी।

शरद पवार ने कहा कि फडणवीस एनसीपी के दोनों गुटों के बीच हुई विलय संबंधी चर्चाओं का हिस्सा नहीं थे, इसलिए उन्हें इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।

लोकसभाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिलचस्प बात यह है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई वरिष्ठ मंत्री कह रहे हैं कि ऐसी कोई किताब मौजूद नहीं है, जबकि राहुल गांधी ने किताब की प्रति दिखा दी है। क्या यह वरिष्ठ मंत्रियों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला बन सकता है? स्थिति अब काफी कटु और खराब हो गई है और सत्तारूढ़ दल और राहुल गांधी के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस सत्र को सामान्य बनाना मुश्किल लग रहा है।

बोत्सवाना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की सफल बसाहट के बाद अब असम का जंगली भैंसा भी मध्यप्रदेश के जंगलों में स्वच्छंद विचरण करता नजर आएगा।

प.बंगाल चुनावों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य के दौरों के बाद सांसदों के साथ की जा रही ये वन-टू-वन बैठकें पार्टी की चुनावी रणनीति को और धार देने के लिए बेहद अहम मानी जा रही हैं।

चुनावों से पहले इस बैठक को भाजपा की डिनर डिप्लोमैसी के हिस्से के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य पार्टी के भीतर समन्वय को मज़बूत करना और पश्चिम बंगाल में अपने राजनीतिक नैरेटिव को और तेज़ करना है।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाए गए हैं, जिसके माध्यम से स्नातकोत्तर चिकित्सा प्रवेश के लिए कट-ऑफ पर्सेंटाइल को उस स्तर तक कम कर दिया गया था, जिसे याचिकाकर्ताओं ने असामान्य रूप से बहुत कम बताया है। इसमें कट-अफ पर्सेन्टाइल को शून्य और नकारात्मक तक कर दिया गया है।

याचिकाकर्ताओं के अनुसार, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के लिए योग्यता मानकों को कम करना मनमाना है और संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908